परदेसी

रब्बी रचना

हुजूर महाराज दर्शन दास जी

परदेसी

एह गीत

मेरे नहीं

तेरे ने दोस्ता

रब्बी रचना

महाराज दर्शन दास जी

सर्वाधिकार सुरक्षित

परदेसी, रब्बी रचना महाराज दर्शन दास जी

प्रथम संसकरण : दिसम्बर 2007

प्रकाशन एवं वितरण:

सचखण्ड नानक धाम (रजि.)

इंद्रापुरी, लोनी, जिला : गाजियाबाद (उ. प्र.)

फोन : 0120 - 2601870

फैक्स : 0120 - 2602103

सम्पादकीय

सचखण्ड नानक धाम की ओर से साध-संगत के चरणों में यह पुस्तक ''परदेसी'' प्रस्तुत है जिसमें हुजूर महाराज दर्शन दास जी द्वारा समय समय पर लिखे गये गीत, गज़लें, कव्वालियां व शेयर दर्ज हैं।

यूं तो आज से सत्रह वर्ष पूर्व भी हुजूर के गीतां का एक संकलन ''तेरीयां यादां'' के नाम से प्रकाशित हो चुका है परन्तु उस समय हुजूर के गीतों का पूर्ण संग्रह उपलब्ध नहीं था। हम दास हरबंस कोमल, जोकि हुजूर महाराज दर्शन दास जी के हुजूरी रागी रह चुके हैं और जिन्होंने हुजूर के साथ काफी समय व्यतीत किया है, के अत्यंत आभारी हैं जिनके द्वारा महाराज जी के गीतों का सम्पूर्ण संग्रह देने के बाद ही इस पुस्तक का प्रकाशन संभव हो पाया है। आशा है कि दास जी का हमें भविष्य में भी सहयोग मिलता रहेगा।

वैसे तो महाराज दर्शन दास जी ने जिज्ञासु जीवों के आत्मिक उत्थान के लिए सबसे पहले ''यशवंती निराधार धाम पहला'' की रचना की थी जो कि सचखण्ड नानक धाम का धार्मिक ग्रंथ है परन्तु अपने स्रोत, अपने ईश्वर की याद में जो बिरह गीत हुजूर की कलम से निकले हैं वह भी किसी प्रेरणा स्रोत से कम नहीं हैं।

चाहे पुरातन काल में आए युग पुरूषों का यशगान हो या सम-सामयिक मुद्दे, हुजूर की कलम से कुछ भी अछूता नहीं रहा और हर विषय पर आपकी मजबूत पकड़ का पता आपकी लेखन शैली से लगता है। हुजूर महाराज जी के चरणों में सविनय निवेदन है कि हमें इस पुस्तक से आपके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा मिले।

अंत में हम उन सभी सेवादारों का धन्यवाद करते हैं जिनके अनथक प्रयासों व परिश्रम से यह संकलन संभव हो पाया है।

सम्पादक

विषय सूची

1	हिन्दोस्तान	7
2	आवेगा सुनेहा जदों	10
3	मितवा	11
4	हंझू तेरे ने नैण मेरे ने	12
5	जदों याद तेरी मैनूं आवे	13
6	तैनूं वास्ता ई डाढिया रब्बा	14
7	औंदीयां ने यादां जदों माही	15
8	अखां रोंदीयां ने हर राती	16
9	क्यों रुस बैठा ए	17
10	ओह किस तरां भुल जावां	18
11	करदा ए दिल याद	19
12	सुन साहिबा सुन	20
13	मेरी झोली विच खैर	22
14	इक था ते रानी	24
15	साडीयां तोड़ चढ़ दे	25
16	छोटी छोटी बातों पे	26
17	मैनूं तेरीयां उडीकां वे	27
18	असीं लब्ब बहाना लेया	28
19	असीं चिट्टे दिन देख लिया	29
20	वे कदों आवेंगा तूं हाणीयां	30
21	अज यार मेरा सौं नी गया	31
22	गोरी दा परांदा काले रंग दा	32
23	गोरे मुख दा दे दे नज़ारा	33
24	चन्ना वे चानणी रात नईयों	34
25	एक हमसे भला तेरा क्या	35
26	मेरे परदेसी ढोलणा	36
27	आके बनेरे जदों कां कोई	37
28	रोवां सजणा नूं	39
29	अखां रो लेया बूहे दे ओहले	40
30	लोक पुछदे ने गल्लां	41

31	आजा महरम दिलां दे	42
32	असां मितरा वे झल्ले	43
33	तेरी गली नईयों छडणी	45
34	दिखा के कोई जलवा	47
35	पुकार	49
36	चरखा	50
37	निघ आ गया	53
38	आस लगासें मन मेरे	54
39	मिट्टी दीयां मूरतां	55
40	बदला ठहर जा	56
41	राहवां लंमीयां ते पैंडे	57
42	टुटे दिलां दी सुण लै	58
43	बूहा खड़के	59
44	साजन हरजाई	60
45	साडे बनेरे बोले कां	61
46	मैं रब्ब तैनूं तां मनणा	62
47	मैं मंगती मंगां तैथों	63
48	दिल विछड़े सज्जण	65
49	तैनूं कुट कुट चूरीयां	66
50	वली दे द्वारे	68
51	मेरी अर्थी	70
52	माही कर नी करार गया	71
53	मां	72
54	कृष्ण लीला	75
55	मेरी अर्ज़ तूं सुणदा जा	86
56	ओहदा मुख सी सोहणा	88
57	गोरे रंग ते गिला	89
58	तेरी यारी नालों चंगीयां	90
59	हीर सयाल	92
60	सजणा वे दूर देया	93
61	दीद तेरे आवण दी	94
62	माही रे माही	95

63	चरखे दे चक्केयां ते	96
64	हत्थ जोड़ां ते अर्ज़	99
65	रब्ब वरगा आसरा तेरा	100
66	ओ दूर जाण वालेया	101
67	औंदे ने दिन याद	102
68	मेंहदी मौत दी ला लई	103
69	रह गये ज़िंदगी दे दिन	104
70	वो आकर बैठ गए	105
71	शेयर	107
72	सावन महीना सालां	109
73	दिल तोड़ के जाने	111
74	वे रब्बा साडी गल्ल सुण	112
75	छल्ला	114
76	वे मेरा मुकेया नईयों	115
77	अज फिर मैनूं ओह	116
78	घुट्ट पाणी पिला दे	117
79	नदियों पार मेरे माही	118
80	असां रोग लगा नी लेया	120
81	नींद टुट गई ख्याल	121
82	देवां की मिसाल	122
83	एह तन मिट्टी दा	123
84	नी ओह नानकी दा वीर	125
85	हुण आजा बाजां वालेया	126
86	सुणेया मैं शहर वलैत	127
87	हिजरां दी बीमार रूह	129
88	मैं तेरी हीर बालमा	132
89	भीलणी दी आवाज	134
90	शेयर	137
91	नारद ते माता रुकमणी	138
92	वे मैं तेरीया तेरीयां	142
93	घल्ले असीं कई तेरे	145

94	मोड़ लै मुहारां शाला	148
95	हमसे न तुम सनम	149
96	माही मेरा चन्न वरगा	150
97	ओहदा लक्ख वारी शगन	151
98	वो प्यार भरे सपने	152
99	याद मैनूं औंण वालेया	153
100	मेरे दिल दे अंदर नाद	154
101	मन रे तूं चल जहां से	155
102	लोको सुणो इक होर	156
103	पींघ प्यार वाली	157
104	औंसीयां पावां मैं तेरीयां	158
105	रब्ब दा इश्क	159
106	इक दर्द विछोड़े दा	160
107	असां लब्ब बहाना लेया	161
108	वो आये थे वो आयेंगे	162
109	जा रे जा रे उड जा	163
110	प्यार अखीयां दे झरोखे	164

शायर पढ़णगे मेरा कलाम,
मुंह विच ऊंगलां पा होणगे हैरान,
'दर्शन' लिख की कमाल गया,
विच शायरी अपणी दे,
हर दिल दीवाना हो गया,
लोको वे मेरे शहर दे विच।

'महाराज दर्शन दास जी'

हिन्दोस्तान

मेरा देश बड़ा महान है,
वसदा घर घर विच भगवान,
हर कोई बोले मिट्ठी जुबान,
उसदा नाम है हिन्दोस्तान।।

मेरे देश दा अनमोल खज़ाना,
जिस नूं जाणे सारा ज़माना,
चल सके ना किसे दा जोर,
मेरे हिन्दोस्तान दे उत्ते।।

मेरे देश दे उच्चे ख्याल,
दूजा नाम है शेरे पंजाब,
सबनूं मंनदा है अपना भराअ,
भांवे किसे देश, कौम दा होवे।।

मेरे देश दी लीला न्यारी,
जिसदी दीवानी दुनियां सारी,
उस वरगा नहीं कोई दिसदा,
वे लोको मेरा हिन्दोस्तान।।

मेरे देश दी लोको मिट्टी,
हर थां ते मैं हसदी डिट्ठी,
रब्ब वसदा ऐ आप पेआ,
मेरे हिन्दोस्तान दे विच।।

हिन्दू सिक्ख मुसलमान ईसाई,
सबनां ने ओथे पूजा पाई,
ओथे वसदी ए मात गंगा,
मेरे हिन्दोस्तान दे विच।।

मेरे देश दे कर्म धर्म,
गैहणा जिसदा लाज शर्म,
दुप्पटा रखदीयां सिर ते औरतां,
मेरे हिन्दोस्तान दे विच।।

मेरे देश दी सोहणी शान,
बुढ्ढे बच्चे अते जवान,
दुख सुख विच रल बैठदे,
मेरे हिन्दोस्तान दे विच।।

मेरे देश दी कोई ना सरहद,
जिसदा वाली गुरु गोबिंद,
बुझी जोत गया ए जगा,
मेरे हिन्दोस्तान दे विच।।

महिमा देश दी हद-बेहद,
चादर हिन्द दी गुरु तेग बहादर,
दिल्ली सीस देन लई आ गया,
लोको हिन्दू धर्म दी खा़तिर।।

मुगल बादशाह जुल्म कमावे,
जबरदस्ती मुसलमान बनावे,
दित्ता गुरूआं सरबंस दान चढ़ा,
मेरे हिन्दोस्तान दी खातिर।।

मेरे देश दी माया निराली,
बंसी वाला सी उसदा वाली,
दित्ता कंस दा सी जुल्म मुका,
मेरे हिन्दोस्तान दे विचों।।

रोम रोम विच वसदा ए राम,
'दर्शन' दा देश है हिन्दोस्तान,
लख वारी मैं वारे वारे जां,
मैं अपने हिन्दोस्तान दे उत्तों।।

'दर्शन' दे दिल विच, दिल हिन्दोस्तान दा,
जित्थे पैर टिकेआ नहीं किसे वी शैतान दा,
असां देना ए सिर नूं कटा,
कि अपने हिन्दोस्तान दे पिछे।।

आवेगा सुनेहा जदों

आवेगा सुनेहा जदों तैंनू मेरी मौत दा,
मुक्क जाएगा झगड़ा नित वाली सोच दा।।

आवेगा ख्याल जदों सौंह मेरी खाधी दा,
पुछेगा सवाल जग तैथों मेरी बरबादी दा,
गश खा के हो जावेंगा बेहोश मेरे दोस्ता।।

औणगीयां यादां जदों तैनू मेरीयां,
वेख वेख रोवेंगी तस्वीरां मेरीया,
खुशी मर जाऊगी, मर जाऊ चाअ ओ दोस्ता।।

सोचिया सी जो ओह नईयों होया वे,
मरांगे इकट्ठे मैं कल्ला नईयों मोया वे,
इक मैं दूजी 'दर्शन' याद तेरी दोस्ता।।

मितवा

मैं बैरागण बिरहों दी मारी, तड़फस दिनस रात,
बरसन अखीयां तुध बिन मितवा, जिवें सावन बरसात।।

मितवा, याद करेसैं मेरा प्यार,
आजा आ गई सावन बहार।।

मैं निमाणी दा तूं मान वे साईयां,
सानूं मुहब्बतां रास ना आईयां,
कोई नई करदा एतबार।।

सुणेया जुदाईयां दे सल्ल साईयां मारे,
रातां लंघाइयां गिन गिन के तारे,
नहीं मुक्केया अजे इंतजार।।

हर रात आवे याद जदों तेरी साईयां,
बिरहो ने बिंग कीता मारेया कसाईयां,
क्यों भुल गयों कौल ते क़रार।।

उमर बिताई असां उफ नहींयो कीती वे
बैठेयां साल बीते ऊंघ नहीं लीती वे
रह गए ज़िंदगी दे दिन चार।।

यादां ते जुदाईयां दे तूं की जाने दुख वे,
प्यार नाल मिटदी ऐ प्यार वाली भुख वे,
'दर्शन' रोया बेशुमार।।

हंझू तेरे ने नैण मेरे ने

हंझू तेरे ने नैण मेरे ने,
हिजरां च रोंदें पये जेहड़े ने।।

जमावां हक किदे ते मेरा हक की ए,
ओह वी खोह लये मैथों, दित्ते कदे जेहड़े ने।।

मरां अणिआई मौते मेरा शौक नहीं
होर वी जीण दे साड़े सहारे केहड़े ने।।

करां की पेश तैंनू मैं, मेरे कोल की ए,
मेरे पल्ले अगे तेरे ही गम बथेरे ने।।

करां एतराज तेरे ते, मेरी मजाल की ए,
नसीब 'दर्शन' दे धुर तों ही हनेरे ने।।

जदों याद तेरी मैंनूं आवे

जदों याद तेरी मैंनू आवे,
अख रोवे ते दिल घबरावे,
नी माही मेरा परदेसी हो गया।।

दिन दीयां सोचां नित दे ख्याल,
रातां कालियां, भर पोह दा स्याल,
जवानी चड़दी नूं औंदे ने भुचाल,
कि माही मुड़ वतनां नू आवे।।

सखीयां सहेलीयां दा संग ना भावे,
मिट्ठी-मिट्ठी याद तेरी वड-वड खावे,
सौण दा महीना जदों सिर ते आवे।।

दिल दीयां सधरां, दिल विच रैह गईयां
मेरे हाण दीयां, पेकेओं तुर गईयां
'दर्शन' उमर बीत ना जावे।।

तैनूं वास्ता ई डाढिया रब्बा

तैनूं वास्ता ई डाढिया रब्बा,
कि माही मेरा मोड़ वतनी।।

सिर दे सदके वे पीरा, बकरा मैं देनीआं,
हथ जोड़ां, अर्ज़ करेनीआं,
करदे रहमतां, ते जलवा दिखा दे।।

आसां मेरीयां देवीं ना तोड़ वे,
तेरे बगैर होर कीहदे उत्ते जोर वे,
मेरे सुत्ते होए कर्म जगा दे।।

माही दे बाझों तूं वी चंगा नईयों लगदा,
मेरे तों बग़ैर होवेंगा, तूं रब्ब सबदा,
मेरे माही दा मुखड़ा दिखा दे।।

माही रुस्स जावे, रुस्स जावे सारा जग वे,
बन जान वैरी सारे, दिसदा ना सज्जन वे,
'दर्शन' मेरा हबीब मना दे।।

आंदीयां ने यादां जदों माही

आंदीयां ने यादां जदों, माही तेरीयां
छम छम रोदीयां ने, अखीयां मेरीयां
दिल बैठा है आस लगा
आजा रे आजा माही मेरेया।।

अखीयां निमानीयां ने रख लई आस ए,
दिन रात मैंनू सतांदी तेरी याद ए,
पावां औंसीआं ते तक्कां तेरा राह।।

ग़म दा शिंगार कर, दिल उडीके वे,
ताहने मेहणे मारदे ने, तेरे शरीक वे,
केहड़ी गल्लों तूं रुस्स वे गिया।।

सखीयां सहेलीयां ने, कीता अवाज़ार ए,
जदों दा हो गया, तेरे नाल प्यार वे,
मैंनू इक पल वी चैन नही आंदा।।

कर के क़रार तूं, भुल्ल गेयों मैनूं वे,
तेरे बगैर दुख, दसां मैं किन्नूं वे
'दर्शन' बिरहों ने मार सुट्टिया।।

अखां रोंदीयां ने हर राती

अखां रोंदीया ने हर राती,
माही तैनूं याद करके।।

अंखीयां दा उलाहमां लाह दे,
दिल तों तानां वे,
मारदा ए बोलीयां मैनूं सारा जमाना वे,
जदों दा तूं परदेसी हो गया,
रोवां याद करके।।

लोकां वल्लों मैनूं कोई नहीं डर वे,
मैंनू तेरे उत्ते पूरा एतबार वे,
मेरा दिल तसल्ली नईओं करदा।।

केहड़ा कम करां,
जेहड़ा तैनूं चंगा लगे वे
कोई वी पीर फ़कीर मैनूं न लभ्भे वे
'दर्शन' देवे जा मेरे नाल मिला।।

क्यों रुस्स बैठां ए

क्यों रुस्स बैठां ए, की कीता ए कसूर,
अखीयां मेरीयां च सोहनियां तेरा ए सरूर,
दिल बार बार कहे, तैनूं तक्कां दुबारा।।

ओहदा मुख सी सोहना, लगदा बड़ा प्यारा,
उस विच दिसदा सी, मैनूं रब्ब वाला नज़ारा,
दिल बार बार कहे, तैनूं तक्कां दुबारा।।

करां मिन्नतां ते करां अरजोई,
तेरे बाझों साडा होर नईओं कोई,
हुण तेरे बाझों साडा नहीं गुजारा,
दिल बार बार कहे, तैनूं तक्कां दुबारा।।

कूक मेरी सुन मैं औसीयां पावां,
दर्द विछोड़े 'च चन्ना मरदी जावां,
'दर्शन' आवे माही मैं काग उडावां,
दिल बार बार कहे, तैनूं तक्कां दुबारा।।

ओह किस तरां भुल जावां

ओह किस तरां भुल जावां,
बीते होए दिनां दी याद,
मेरी सुनदा नईयों रब्ब फरियाद,
मिन्नतां कर-कर थक गई सोहनियां।।

बीते दिनां दी याद सतावे,
दिल मेरे नूं चैन ना आवे,
माही आवे ना पत्तनां तों पार।।

दिल ते कैंहदा मैं भुल जावां,
याद तेरी नूं मार मुकावां,
याद करां न मैं याद आवां,
माही आ वे पत्तनां तो पार।।

इक दिल आखे चुप वे हो जा,
अखीयां आखण हुण तूं सौं जा,
'दर्शन' थक गईयां कर इंतजार,
माही आ जा पत्तनां तो पार।।

करदा ए दिल याद तैंनू

करदा ए दिल याद, तैंनू मेरे दोस्ता,
कोई नहीं वसाह हुण, मैनूं मेरी मौत दा,
हुण रह गया आखिरी साह,
अब तो आजा।।

मेरे ख्यालां 'च, तेरी तस्वीर ए,
मेरे नाल रुस्स गई मेरी तकदीर ए,
तबीब देंदा नहीं कोई दवा।

तेरा एह सलूक मैनूं चंगा नहींयो लगदा,
तेरे बगैर मेरा जनाज़ा नईओं फबदा,
रक़ीब आखनगे तैनूं बेवफ़ा।।

मेरा ऐतबार, मेरा यकीन सी,
तूं ही ईमान मेरा, तूं ही दीन सी,
'दर्शन' तकदा ए तेरा राह।।

सुन साहिबा सुन

वो दिल ही क्या तो किसी का दर्द न ले,
वो मुहब्बत ही क्या जो जुदाई न दे,
कदरां मुहब्बत दीयां कोई विरला विरला जाणे,
मुहब्बतां दे सितम सिर आशकां दे लगदे,
सुणेयां मुहब्बतां वाले सी नहीं करदे,
नच्च के भावें पै जाण मनाणे,
मुहब्बतां वाले नहींयो मुड़दे।।

सुन साहिबा सुन, तूँ वी खट्ट पुन्न,
देके दीदार मेरी जिंदगी सँवार दे,
आखे तैनूं तेरी दासरी।।

घर बाहर छडिया, छड दित्ता जग वे,
सौहरे पेके भुले मैंनू भुल गया रब्ब वे,
तैंनू दिल विच लिया ए वसा।।

दिल तोड़ के जाण वाले, मेरी वी सदा लै जा,
तूं की दर्द पछाने, जा वे तूं बेदर्दा,
क्यों सजनां नू भुल गियां।।

वफ़ा देया वालीया, वफ़ा मेरी लै जा,
लोकां दे सामने मैनूं आपनी कैह जा,
साडे दिल विच एहो चाअ।।

टुटे होए दिल दी तोड़ीं ना आस,
दस कीहदे अगे करे 'दर्शन' फरियाद,
आजा कोल मेरे गल मैनूं ला।।

मेरी झोली विच खैर तूं पा दे

पूजिया वे तैनूं मैं, तूं पीरां दा पीर वे,
तेरे कोलों मंगदीयां प्यार वाली भीख वे,
कर रैहमतां जलवा विखाल दे,
वे मैं तेरी पुजारिन।।

मेरी झोली विच खैर तूं पा दे,
दाता अजमेर वालिया,
मेरी सुत्ती होई किस्मत जगा दे,
दाता अजमेर वालिया।।

खाली ना मोड़ीं मैनूं, रख लवीं मान वे,
मारेगा बोलीयां सारा जहान वे,
वे तूं पीरा कर्म कमा दे।।

दिल च वसाया तैंनू, वसदा रवें सजनां,
दिल चीर के मैं किस तरां दिखावां।।

दुखां दे सिरहाने देके गमां दीयां चादरां,
रोज सवावां फिर वी नई सौंदीयां,
तेरीयां मिट्ठीयां ते फिक्कीयां यादां।।

सुन के सोभा तेरी मल्लेया दवारा वे,
दो जहानी तेरा चमकदा सितारा वे,
मेरी डुबदी बेड़ी नू बन्ने ला दे।।

बुझण ते आ गए ने अखीयां दे दीवे,
ते थर थर कंबदा मेरा दिल वे,
जीभा जपदी नहींयों तेरा नाओं।।

पीरां दा पीर वे तूं वलीयां दा फ़कीर वे,
बनदी वेखी मैं बिगड़ी तकदीर वे,
मेरी टुट्टी होई गंड के विखा दे।।

घर बाहर छडिया, छड दिता जग वे,
पेके सौहरे भुल्ले मैंनू, भुल गया रब्ब वे,
तैनूं दिल च मैं लिया ए वसा।।

जाग जाग कट दित्ते जिंदगी दे दिन सारे,
यादां दे पलंघां ते उम्मीदां ने पलसेटे मारे,
कदों आवेगी वसल वाली रात।।

चारे चिराग तेरे हरदम जगदे,
मेरा दीवा बाल जिवें बालदा ऐं सब दे,
मेरा बुझिया दीवा जगा दे।।

ना मैं पूजी प्रातः काल, ना मैं संधियो कीओ,
ना मैं नित नेम पाठिया, ना तीर्थ इश्नान गेयो,
जब से सांई 'दर्शन' मिलया
मुक गए गलावे ईओं।।

टुटे होए दिल दी तोड़ीं ना आस,
दस कीहदे अगे करे 'दर्शन' फरियाद,
आजा कोल मेरे गल मैनूं ला।।

साडीयां तोड़ चढ़ा दे मुहब्बतां

साडीयां तोड़ चढ़ा दे मुहब्बतां,
वे रब्बा तैनूं सौंह प्यार दी।।

मुख मेरे यार दा रब्ब वागूं जापदा,
यार दा दीदार मेरी सोहनी सरकार दा,
मैंनू इक वारी दीदार करा दे।।

यार आवे ते आवे बहार,
कोई साडे नाल कर कौल ते करार,
सानूं दस जा वे कोई टिकाना।।

कूक सुने जे रब्ब मेरे प्यार दी,
मैं मंगतीआं वे तेरे दरबार दी,
पावां वासते ते अर्ज़ गुजारां,
'दर्शन' दी झोली खैर पा जा।

छोटी छोटी बातों पे ना लड़िया करो

छोटी छोटी बातों पे ना लड़िया करो,
रब दी कसम कुछ डरेया करो।।

अंखीयां प्यासीयां दी प्यास मिटा दे,
दो घुट मैनूं वी, जवानी दे पिला दे,
नेकी वाला कम तुसी करेया करो।।

तेरे नाल प्यार कीता, दिल च वसाया,
अड़ीए तूं प्यार दा, कदर नईयों पाया,
प्यार वाली गल कोई करेया करो।।

हस हस सोहणीए तूं हर रोज लुट्टेया,
हुण तेरे रोसेआं ने सानूं मार सुट्टेया,
गुस्सा तुसी ऐंवे ना करिया करो।।

चिट्ठी साडे प्यार वाली कर मंजूर नी,
छड दे तूं अपने एह रूप दा गरूर नी,
'दर्शन' दा एतबार कदे करेया करो।।

मैनूं तेरीयां उडीकां वे

मैनूं तेरीयां उडीकां वे आजा घड़ी दी घड़ी,
मैनूं दस जा तरीकां वे आजा घड़ी दी घड़ी।।

तेरे लई चन्ना असीं बूहे खोल रखे,
कोई मैनूं आ के एह गल दस्से,
तेरा मोही गली विच आ नी गया।।

मुक गईयां धुप्पां ढल गए परछावें,
दिल विच उठदीयां सोहणेयां हावें,
किस बैरन तैनूं रोक लिया।।

भुल गया वादा साडे कोल औण दा,
लभां केहड़ा पज यारा तैनूं मैं मनौण दा,
'दर्शन' दिल च वसा मैं लिया।।

असी लब्ब बहाना लिया

असी लब्ब बहाना लिया,
माही दे कोल जान वाला।।

दिल मेरा आखदा ए माही कोल जा के,
दिल वाला दुखड़ा आवां मैं सुना के,
केहड़ी गल्लों मुख मोड़ लिया,
माही मेरे हाण दिया।।

आवेगा माही गल करांगी जरूर मैं,
होया की कसूर पुछ लवांगी जरूर मैं,
सानूं साडा कसूर दस जा,
वे केहड़ी गल्लों मुख मोड़ेया।।

दर्द साडे दिल दा कोई ना जाणे,
जीनूं होवे प्यार ओही दर्द पछाणें,
बेदर्दी हुण आ वी जा,
वे केहड़ी गल्लों दूर नी गया।।

मिल जावे रब्ब जे माही दे बहाने,
उसनूं वी आखां असीं तेरे नई दीवाने,
'दर्शन' माही तूं बन के आ,
रब्बा वे मेरे प्यार दे पिछे।।

असीं चिट्टे दिन देख लिया

असीं चिट्टे दिन देख लिया,
नी माही मेरा बुक्कल दे विच।

यार आण दीयां मैनूं उम्मीदां सी,
रोज़े रखे मनाईयां ईदां सी,
शाला किसे वी बहाने आ जा।।

मेरे यार दा मुखड़ा ए प्यारा,
सब तों सोहणा है बड़ा न्यारा,
असां वेखिया ए स्वर्ग दा नज़ारा।

मेरे यार दे मत्थे ते तिऊड़ीयां,
गलां करनीयां ने प्यार दीयां गूड़ीयां,
असां मिलण दा बहाना लब्ब लेया।।

यार वेखदा ए मैनूं शरमा के,
गोरे मुख तों दुप्पटा हटा के,
नी असां कर दीदार लिया।।

उठ यार ने फड़ लई मेरी बांह नी,
'दर्शन' कर ना सकी मैं नांह नी,
डर कज़ा वाला मुक नी गिया।।

वे कदों आवेंगा तूं हाणीयां

वे कदों आवेंगा तूं हाणीयां,
अखां थक गईयां, तक तक राह।।

जदों दा तुर गेयों छड के तूं हाणीयां,
रोंदीयां ने ओदों दीयां अखीयां निमाणीयां,
इक पल वी न लैंदीयां साह।।

कम्मां दी वेहल तों,
वेहली होके बैठ जावां,
तेरे आण दीयां मैं औसीयां पावां,
मैं कोठे तों उड़ांदीयां कां।।

हाल मेरा वेख, लोक भैड़े ने हसदे,
नां तेरा लै के, मैनूं ताहने ने कसदे,
दिल हुण हो गया सवाह।।

हाणीयां वे तूं, इक वारी आ जा,
लोकां दे सामणे हां, अपणी बना जा,
हुण दिल पेया एहो आखदा।।

दिल नूं तसल्ली देवां, अखीयां नूं दिलासे,
प्रीत कीती हाणीयां, तेरे भरवासे,
'दर्शन' नूं ना आखीं बेवफा।।

अज यार मेरा सौं नी गया

अज यार मेरा सौं नी गया,
आ के अज्ज मेरे पलंघ ते,
उस घुट मैनूं बाहवां च लिया,
मुंह तो घुंड चुक के।।

मेरा यार बड़ा मेहरबान सी,
होया बड़ा अज मैं हैरान सी,
यार मेरे नूं की हो गया।।

यार मेरे दा रंग बड़ा लाल सी,
पुछ ना सकी मैं कोई सवाल सी,
उस मत्था मेरा चुम नी लिया।।

अज्ज गल ला लेया मेरे यार ने,
कीता रज्ज रज्ज के असां प्यार वे,
डर ओहदा खौरे लथ नी गिया।।

यार वाला किस्सा मैं दित्ता दस वे
यार होर नहीं कोई, ओह मेरा रब्ब वे,
यार रुस्सिआ मैं मना नी लिया।।

यारो सिख लए मैं यार वाले चज्ज वे,
अज्ज कंम जाणा साडा फब वे,
'दर्शन' मिल मैनूं रब्ब नी गिया।।

गोरी दा परांदा काले रंग दा

गोरी दा परांदा काले रंग दा,
काले नाग वागूं डस नी गया।।

गोरी दा मुख जिवें चन्न असमान ते,
गश खा खा डिगदे ए मुंडे जवान वे,
वेख रब्ब वी सोची पै गया।।

गोरी दी चाल जिवें बागां विच मोर नी,
पैरां दीयां झांजरां दा पैंदा ए शोर नी,
जिवें चम्बे ते निखार आ गया।।

गोरी दी जवानी जिवें गन्ने दी पोरी नी,
दिल मेरा आखे तन कर लवां चोरी नी,
'दर्शन' रब्ब जे चोर देवे बना।।

गोरे मुख दा दे दे नज़ारा

गोरे मुख दा दे दे नज़ारा,
तेरा केहड़ा मुल लगदा,
मैनूं तेरे नाल सोहणेयां बहारां,
जग नईओं चंगा लगदा।।

गोरे मुख ते दुपट्टा लाल रंग दा,
विच घुंड दे यार मेरा हसदा,
गल्ल प्यार वाली मैनूं दस जा।।

मेरे यार दी अल्हड़ जवानी,
अखां शरबती ते चाल मस्तानी,
कोई होर ना ओहदे जेहा।।

यार आवे वंडां मैं पेड़े,
दुख यार दे ने मैनूं बथेरे,
असां रोग जुदाईयां ला लेया।।

'दर्शन' यार जे मिल जाए मेरा,
यार बाझों एह सखणा ए वेहड़ा,
असां दिल नूं लेया ए समझा।।

चन्ना वे चानणी रात नईओं भांदी

चन्ना वे चानणी रात नईओं भांदी
वांग चकोरां रवे मैनूं तड़फांदी,
परदेसी नईओं सक्के किसे दे।।

हस-हस चन्ना वे, प्यार असां कीता सी,
चन्न वाली लोअ थल्ले,
करार असां कीता सी,
हसदी ए चानणी नाले आखे औह।।

हास्से असां मार लए, मार लेया दिल वे,
अखीयां थक गईयां हुण रो रो के,
सच आखण मैनूं सखीयां औह।।

हसदी रैंहदी मैं झूठे हासे,
जदों दे नजरां ने दिल वटा लए,
रखीं नजरां चन्ना औह।।

हस-हस प्यार कीता, कीता एतबार सी
झूठे हासे, हस हस मैं गई हार सी
'दर्शन' दा लाहदे उलाहमां चन्ना औह।।

एक हमसे भला तेरा क्या कहना

एक हमसे भला तेरा क्या कहना,
तुम औरों के लिए कुछ और सही,
मेरे दिल ने तुझे रब्ब जाना,
ओ तेरा क्या कहना।।

हम से नाज़ हमसे लड़ाई,
हम से बिछुड़ना हम से जुदाई,
क्या कहेगा ये ज़माना, ओ तेरा क्या कहना.....

हम तो सही तेरे दिवाने, हम से छुपाना है क्या,
लोग तो कहते थे ये लड़कपन है,
हमें छोड़ तुमने जाना है कहां,
आ तेरा क्या कहना....

हम से गिला शिकवा, हमसे गिलेयाजारी,
क्या ये खुराक है तुम्हारी।।

हम से तकरार औरों से प्यार,
यह आरजू है हमारी,
उफ कीती नहीं असीं,
नां कदे गल तेरे नाल वटाई ए,
जिस तरह वी तूं चाहदां रेहा,
'दर्शन' कदे वी ना नहीं पाई ए,
ओ तेरा क्या कहना.....

मेरे परदेसी ढोलना

चन्न चड़ ते गया विच असमानी,
चकोरां वांग मैं होई दीवानी,
मैं तेरी हां नही हां बेगानी।।
मेरे परदेसी ढोलना, मेरे परदेसी ढोलना,
जा रे जा वे, असां नईओं बोलना।।

रब्ब दे भुलेखे तैनूं दिल च वसा लिया,
लोकां दे तानेआं ने दिल मेरा साड़्या,
छड जग तैनूं अपना बना लिया।।

दिल वाली घुंडी चन्ना दे हुण खोल,
खत विच लिख दे कोई दो बोल,
मैनूं तेरे नाल प्यार हो गया।।

लोक भैडे मैनूं करदे मखौल वे,
जिंदड़ी मलूक न कंडेयां 'च रोल वे,
तैनूं दिल 'च वसा ए लेया।।

रो रो के अखां विचों पानी गया सुक,
झल्लेआ नहीं जांदा हुण तेरे वाला दुख,
'दर्शन' आ के दर्द वंडा।।

आके बनेरे जदों कां कोई बोले

पुछां डाकिए कोलों,
आई चिठ्ठी कोई मेरे दिलदार दी,
जदों डाकिया आवे मैं डक्क के खलों जां,
मैनूं वी तां मेरी चिट्ठी दे जा मेरे सोहणे यार दी,
देवे चिठ्ठी नां, अड़ीए मैं राह छड जां।।

आ के बनेरे जदों कां कोई बोले,
अखीयां दी तांघ जागे दिल खावे डोले,
पुछदी मैं डाकीए कोलों।।

जा के सोहणे नू सच्च देवीं आख वे,
साह मेरे दे गए हुण ते जवाब वे,
देर ऐनी क्यों सू लाई।।

कां वी नहीं उडदा, नहीं उडदे ख्याल वे,
सौंण दा महीना आया, आ गई बहार वे,
हुण जिंद मेरी मुकण ते आई।।

तेरे विछोड़े मैनूं बड़ा दुख दित्ता ए,
प्यार असां कीता ए गुनाह ते नही कीता ए,
वे तूं अड़ेया छेती फेरा पाई।।

गमां दीयां गुंझलां मैं खोल खोल थक गई,
तूं वी ते सोहणेया न साडी कोई वाट लई,
कीता वादा तूं भुल ना जाई।।

अज कल करदेयां, दिल नूं दिलासे देवां
अंदर बाहर आवां जावां, कंधां नाल गल्लां करां
'दर्शन' चिठ्ठी क्यों नहीं पाई।।

प्यार वाली रुत आई रंग मैनूं चढ़ेया,
दिन राती 'दर्शन' दिल नाल लड़ेया,
दिल डाकीया ते अक्ख कां बणाई।।

रोवां सजणा नूं

रोवां सजणा नूं, धूवें दा पज पावां,
गल्लां दिल दीयां लोकां तो छुपावां,
मंगा रब्ब कोलों तेरीयां दुआवां,
कि याद करां सजणां नूं।।

हसदे ने लोक, वेख मेरा मंदा हाल ए,
मारदे ने ताने मैनूं वैरी प्यार दे,
किवें दुनियां तो प्यार लुकावां।।

अखीयां दा रोणा कदे नईओं छुपदा,
प्यार वाला पैडां कदे नईओं मुकदा,
राहवां लम्मीयां मैं थक ना जावां।।

दिल दीयां सधरां, अख्खां दीयां तांघां,
रोज दीयां उडीकां, सतावन तेरीयां यादां,
सुखां सुखां, ते पीर मनावां।।

इक दिन आवेगा सजन घर आणगे,
लोकां दे मुँह बंद आपे हो जाणगे,
दिल चंदरे नू पई समझावां।।

हर वेले मैं याद करेसां,
सजनां डेरे ला लए परदेसां,
'दर्शन' जग कोलों रोना मैं छुपावां।।

अखां रो लिया बूहे दे ओहले

आ के वेख माही हाल मेरा,
तैनूं वेख के पता लग जावेगा,
पुछेयां बगैर दस देणगीयां अखियां
की दर्द है 'दर्शन' जुदाई दा।।

अखां रो लिया बूहे दे ओहले हो के,
कि माही जदों जांदा वेखेया,
माही वेखेया नहीं पिछांह नूं भौंह के,
जदों दा परदेस गया।।

देवे दिलासे दिल, चुप हुंदीयां नहीं अंखीयां,
रुस्स गए ने चाअ, खुंझ गईयां ने खुशीयां,
असां रखेया बूहा खोल।।

अखियां निमाणीयां नूं लग गया रोग सी,
रो रो के अखीयां च पै गई सोज सी,
माही दस ना सरनावाँ कोई गया।।

चेता आंदा रवे हरदम सजणा,
तेरे बाझों मेरा वेहड़ा है सखणा,
पत्थर दिल लिया क्यों तूं बना।।

दिल दी तांघ वधदी जावे,
अखीयां नूं हुण चैन ना आवे,
'दर्शन' माही आवे मैं कुंडा लवां ला।।

लोक पुछदे ने गल्लां

लोक पुछदे ने गल्लां मेरे यार दीयां,
दस्स किवे यार नूं मनाया।

शमस तबरेज़ ने खल्ल उतराई,
सूत्तर अट्टी यूसुफ सी मुल्ल पुवाया।

अली मन्सूर चढ़ सूली ते,
आना हक़ दा नारा लाया।

इश्क आशिकां दा रहेगा सलामत,
'दर्शन' जिस सिर सजदे आण झुकाया।

आजा मैहरम दिलां देया जानीआं

आजा मैहरम दिलां देया जानीआं,
वे मैं तेरे शगन मनानीआं।।
आजा वेख लै मेरा हाल वे,
चीरे वालिया लै चल नाल वे।।

वे मैं तांघां तेरे ते रखीयां,
रातां जाग जाग थक गईयां अखीयां,
साडी दीद तेरा दीदार वे।।

तेरे हिज़र दी बलदी ए अग्ग वे,
नहीओं बलदे बुढ्ढे मेरे हड्ड ए,
आ के फूकां मार के बाल वे।।

मेरा दिलबर दिल मेरा लै गया,
हौके ग़मां वाले मैनूं दे गया,
साड़ा जीना होया मुहाल वे।।

वे मैं गमां दी मारी,
दिल लग गई ए तेरी बिमारी,
तेरे बाझों मेरा हुंदा बुरा हाल वे।।

वे मैं सौदा दिलां वाला कीता,
ओह वी तूं मंजूर नहीं कीता,
'दर्शन' दित्ती जिंद तेरे उत्तों वार वे।।

असां मितरा वे झल्ले दुख तेरे

असां मितरा वे झल्ले दुख तेरे,
काग बोलदा गवांडीयां बनेरे,
पा जा मितरा वे साडे वल फेरे,
वे तेरे बाझों कौन ए मेरा।।

फिकरां दी मारी जिंद मेरी गई सुक,
हद तेरे वाली चन्ना हुण गई ए मुक,
दस दे डेरा मैं आवां मितरा।।

कीतीयां शकैतां ना कदे अगे तेरे,
चुपचाप जुल्म असां सहे ने बथेरे,
हुण आ जा वे तूं मितरा।।

कर तूं मितरा वे कदे कोई गल वे,
साडा गुज़ारा नईओं तेरे बगैर वे,
सुण तरले मैं पावां मितरा।।

तांघ तेरी मेरे मन गई ए भा,
छड दे अड़ीयां तरस लै खा,
तैनूं वास्ता खुदा दा मितरा।।

मोतीए दे फुल्लां दी सेज बिछाई,
तेरे बाझों मैनूं नींद ना आई,
आ के गोदी विच सुआल मितरा।।

तेरीयां यादां च सिर मिडीयां पा लईयां,
बाहवां खुलीयां मेरीयां रैह गईयां,
आजा मितरा मैं सीने तैनूं लां।

सुख नाल सौं गए लोक मितरा,
मैं ना सौंवां विच तेरे फिकरां,
बैठा कल्ला पेया हां जागदा।।

रातां जाग जाग नीदरां मारीयां,
फेर वी ना आईयां तेरीयां सवेरां,
जिंद लिख दित्ती तेरे असां नां।।

कालीयां रातां भर पोह दा सयाल,
चड़दी जवानी आवे मितरा भुचाल,
तानें देंदीयां ने सब सखीयां।।

कजल वग वग डिग्गे अथरू,
हड़ दे भुलेवें माही घर वल्ल परतू,
'दर्शन' दिल पेया मेरा आखदा।।

तेरी गली नहीओं छडनी

तेरी गली नहीओं छडनी,
भावें लग जान हथकड़ियाँ।
वे तू हुण आजा मैहरमां,
वे मैं कंडे ते कदों दी खड़ीआं।।

तन मन कट कट अग विच साड़ेया,
मुल्ल नही तूं पाया कोई वे नकारेया,
गल्ल मुकदी ए दो अखरां।।

चड़ेया झनाअ हाड़ा देवे मेरी जिंद नूं,
आजा वे तूं अपने डेरे नूं,
मैं तां तन हिज़रां दे सड़ीआं।।

असां कदे नहीं चन्ना पाई कोई वंगार,
हर हुक्म मन्नेयां ए तेरा सरकार,
मैं नौकर तूं साहिब मितरा।।

पा लईयां वंगा वे मैं तेरे ग़मां दीयां,
भार न झल सकीयां बाहवां दीयां वीणीयां,
जिद्दां छड दे ना कर अड़ीया।।

हथ जोड़ां वे गल मेरी लै सुन,
तूं वी खट्ट लै चन्ना कोई पुन्न,
ताने मारदी आ एह दुनिया।।

महकदा मुख सोहणा नूर खिलारदा,
दम दम लूं लूं तैनूं वाजां मारदा,
'दर्शन' तेरे बाझों मैं तां कल्ली आं।।

दिखा के कोई जलवां

ना मैं रब्ब पूजां,
ते ना मैं पीर फ़कीर मनावा,
ना मैं पढ़ां कुरान,
ऊजू, नमाजां, ना रोज़े रखे,
ना मेरा ईद ध्यान,
'दर्शन' अमल इको कीता,
आखन जिस नूं इन्सान।।

दिखा के कोई जलवा,
मेरी जिंदगी संवार दे,
कि असी हां दीवाने तेरे प्यार दे।।

मेरा ख्याल नहीं सी लोकां दे वांग,
तोड़ीं ना सोहणेयां मेरी तूं तांघ,
गल मुकदी ए दो अखरां।।

फर्ज़ां दी वेहल तों वेहला जदों होंवा मैं,
सारी सारी रात जागां फिर वी ना सोवां मैं,
कुल्ली पाई केहड़ी गलों वखरी।।

हिसाब किताब मैं ना जाणा,
दस केहड़ी बही ते अंगूठा ई लवाणा,
असां पज्ज कोई नहींयों पाणा।।

प्यार च कदे नहीं हुंदीया मजबूरीयां,
खौरे केहड़ी गलों तूं पाईयां ने दूरीयां,
दस मेरा कसूर कोई जा।।

अध्धी मेरी लंघ गई अध्धी गुजर जाणी ए,
तेरे पिछे असां सूली चुम्म लैणी ए,
'दर्शन' नूं नहीं तेरे ते गिला।।

पुकार

(हुक्म मन्ने जे होवे सरकार दा)

हुक्म मंन लेया असां सोहनी सरकार दा,
वास्ता ए तैनूं दाता मेरे ए प्यार दा,
इक वारी मेरी गल सुन जा,
कि आजा फिर विच हिंद दे।।

तैनूं लोकी आखदे ने पीरां दा पीर वे,
तेरे पिछे सोहणेयां मैं होईआं फ़कीर वे,
मेरी खैर झोली दे विच पा।।

तेरे सवाली दाता तैनूं वाजां मारदे,
असी हां मुरीद भुखे तेरे दीदार दे,
आ के दीद सानूं अपनी दिखा।।

तेरे नाल मेरीयां ने जग उत्ते धुम्मां,
नीले तेरे दे दाता मैं पैर चुम्मां,
'दर्शन' नाम नवां रख लिया।।

चरखा

पज्ज चरखे दे जपां तेरा नां,
कि माही आजा वतना नूं,
बैठी वे मैं कत्तां चरखा,
कि माही हुण आ वी जा।।

चरखे दी गुड्डीयां ते दिल दा तरकला,
हिज़र तेरे दा मैं रूं पई कत्तां,
सूतर मुक मेरे साहाँ दा गिया।।

काग बनेरे ते पिया ए बोलदा,
मैनूं सुनेहा देंदा मेरे ढोल दा,
वेहड़े आवे लवां शगन मना।।

चरखे दी पीड़ी बैठी पावां मैं औंसीयां,
पता जे होवे तां लिखा मैं तैनूं चिट्ठीयां,
हुण सौण दा महीना आ गिया।।

चरखे दी माल ढिली ढिली जापदी,
झड़ी लग गई अज तेरी बरसात दी,
अखों अथरू नईओं सुकदा।।

तांघ तेरी दा मैं तरकला पाया,
तन अपने दा मैं रूं ए पिंजाया,
चरखा कत्तदी मैं तेरी याद दा।।

चरखे दी घूकर घूं-घूं कूकदी,
मैनूं उम्मीद नहीं सी तेरे एह सलूक दी,
मेरे बेपरवाह आ वी जा।।

मेरे गमां दीयां लंमीयां ने पूणीयां,
ज्यों ज्यों कत्ती जांवां होण पईयां दूणीयां,
दम मेरे दा नहीं कोई वसाह।।

चरखे दी हत्थी उत्ते हथ मैं रखिया,
खौरे केहड़ी गलों माही मेरे नाल रुसिया,
आवे माही तां लवां मना।

सखीयां दे संग चरखा वेहड़े डाह लिया,
उस शायद घर दा पता वी गवा लिया,
नाले आखां मैं नाले शरमां।।

चरखे दे चाअ विच चड़ी खुमारी,
तेरे नाल साडे चन्ना काहदी गिलेआजारी,
असां उमरा दा रोग लिया ला।।

चरखे दी तंद वांग असां टुट जाणा,
तेरे बगैर मैनूं किस गल लाणा,
मुंह जे वेखणां बहाना कोई ला।।

दिल मेरे नूं ने उडीकां अज तेरीयां,
साहवां मेरेयां दीयां ने पूणीयां वे थोड़ीयां,
किते रोंदी नां मैं मर जां ।।

'दर्शन' दे चरखे दी चर्चा ज़हान ते,
जिस सुट दित्ती डोरी अपणे ईमान ते,
सिर सदके मैं वारे-वारे जां।।

निघ आ गया निगावां जदों तक्केया

निघ आ गया निगावां जदों तक्केया,
नशा छा गिया जदों वे तूं हसेया।।

अखीयां दा तकणा बुल्लीयां दा हसना,
मेरा लुट के खज़ाना सारा लै गिया,
दस्सां मैं सहेलियां नूं।।

पुछदी फिरां मैं सखीयां सहेलीयां नूं,
किवें दिल देई दा, दिलां देयां बेलीया नूं,
कोई मिट्ठा मिट्ठा दर्द दे गिया।।

मन लेया बेलीया जे पुछ लैण मैनूं,
कित्थे तुर गिया छड के नी तैनूं,
वे मैं घर दा पता गवा लिया।।

हो के हैरान दिल, आखदा ए अखीयां नूं,
रो के ना दस देईओ, कोई गल सखीयां नूं,
'दर्शन' दिल नाल दिल वटा लिया।।

आस लगासें मन मेरे मित्तवा

आस लगासें मन मेरे मितवा,
याद करेसां हर दम चितवा,
आजा वे आजा मेरे मितवा।।

कदों तो उडीकां कर आस तेरी वे,
हिजर ने मारी जिंद हुण मेरी वे,
होर की की सितम मै दस्सां।।

कर के वादा तूं तुर गेयों कित्थे वे,
तेरे बगैर बगैर मैनूं कोई न पुछे वे,
असां कट्टीयां ने तेरीयां सजावां।

तेरी प्रीत मैनूं पूछे बार बार वे,
जदों दा तुर गेयों ओदों दी उदास वे,
क्यों मैं मीत परदेसी बनाया।।

अपने बेगाने मैनूं करदे ने गल्लां वे,
तेरे पिछे शाला मैं सिर ते झल्लां वे,
'दर्शन' कर जो प्यार लिया।।

मिट्टी दीयां मूरतां च

मिट्टी दीयां मूरता च पत्थरां दे दिल ओए,
हंझूआं दे हीरे विकदे चांदीयां दे मुल्ल ओए।।

गाए ना सुहाग किसे ना ढोलकीयां बोलीआं,
खारे ना चढ़े असी ना उठीयां डोलीयां,
छड के तू तुर गेयों गैरां दे कौल ओए।।

सगनां दे चाअ साडे टुट गई आस,
हथां दी मैंहदी सानूं आई न रास,
सधरां दे फुल्ल गेयों पैरां च रोल ओए।।

विकदे ने यार ऐथे विकण जवानीयां,
खरीददे ने पैसे वाले मुहब्बतां बेगानीयां,
मिलदा ना प्यार ऐथे किसे वी तोल ओए।।

रब कोलों खैरां मंगा, मंगा मैं दुआवां,
लगण ना शाला तैनूं तत्तीयां हवावां,
'दर्शन' नूं माफ कर देई कौड़े मिट्ठे बोल ओए।।

बदला ठहर जा यार

बदला ठहर जा यार अज आ लैण दे,
सारे दूरीयां ते फासले मिटा लैण दे।।

वगण ठंडीयां हवावां नाले तिखीयां,
लगण सावन बहारा सब नूं मिट्ठीयां,
तूं वी सौं जा ते उन्हां नूं वी सौं लैण दे।।

जे तूं करदें एहसान तैनूं देनीआं जबान,
सुणेया रखदा तूं आया ए मुहब्बतां दे मान,
फिर वसीं रज रज पहलों आ लैण दे।।

वे तूं छेती छेती कर सानूं मिलने दी तांघ,
तैनूं वास्ता खुदा दा वे तूं किण मिण सांभ,
वेहड़ा सजना दे चाअ च सजा लैण दे।।

तैनूं देवांगी दुआवा नाले सजना नूं,
मुड़ जाण ना देवांगी छड वतना नूं,
'दर्शन' इक वारी मेरे कोल आ लैण दे।।

राहवां लंमीयां ते पैंडे ने माड़े

राहावां लंमीयां ते पैंडे ने माड़े,
मैथों वी नहीं आया जांदा।।
गल्ला करदे ने लोकी सारे,
मैथों वी नहीं आया जांदा।।

लंमीयां ने रातां, लमेरे लगदे दिन वे,
बीते ने साल, बीत गए ने महीने वे,
तूं इक वारी फेरा नहीं पाया।।

रात लंघाई वे गिन गिन के तारे,
दिन नूं वेखां तेरी राह वे,
बनेरे आ के कां रौला पाया।।

पुछदीआं सखीयां पुछदे शरीक वे,
किथे तुर गेया दस तेरा हबीब ए,
वे मैं किन्ने कु पज्ज पावां।।

आ के कदे ते पुछ जा हाल वे,
जिंदगी दे दिन रह गए ने चार वे,
तेरे आण तों पहलां ना मर जावां।।

'दर्शन' ख्याल सी तूं आपे फेरा पावेंगा,
आ के दोस्ता तूं मैनूं मनावेंगा,
मेरे जाग जावणगे भाग,
दिल खुशीयां मनांदा।।

टुट्टे दिलां दी सुन लै पुकार

टुट्टे दिलां दी सुन लै पुकार,
मेरे दिलां देया जानीयां,
अखां थक गईयां पंथ निहार।।

अखीयां दे अथरू मैं डक डकके रखदी,
दुनियां नूं पै जावे न किते शक ई,
सावन वरदा ई बेशुमार।।

वेखी वे तूं सोहणेयां सच्च तैनूं आखां मैं,
कोई नहीओं मनणा तेरा वे बहाना मैं,
मैं वेखेया ए दिल समझा।।

मारदीयां सखीयां ताने तेरे,
आ जावीं तूं सावन तों पहले,
फेर जल्दी तूं तुर जा।।

पुछदे ने लोकी मैनूं पूछदे शरीक वे,
दस्सां की मैं ओहना नूं मेरा रुसेया हबीब वे,
'दर्शन' रोण तो नहीं मुड़दा।।

बूहा खड़के

बूहा खड़के ते दिल मेरा धड़के,
कि माही मेरा आ नी गया।।

माही दी उडीक च उडांदी पई कां सां,
घर आवे माही मैं चूरीयां खवासां,
रौला पांदा ते बनेरे तो नई उडदा।।

लम्मे लम्मे साह दिल लग पेया लैण,
अखां चो अथरू लग पये ने वैहण,
हथ कंबदे ते बूहा नईयों खुलदा।।

आ के वेहड़े माही बांह मेरी फड़ लई,
मीट लईयां अखां मैं दिलों शर्मा गई,
ज़िद करदा ते बांह नईयों छडदा।।

चुन्नी दी कन्नी बुल्लीयां च लै के,
दिल वाली गल्ल अख नाल कह के,
माही गल नाल दीवाना ला लेया।।

खुशीयां मनावां शुक्र मनावां,
उड वे कावां मैं सदके जावां,
हुण 'दर्शन' दे बनेरे ते की कम।।

साजन हरजाई

आ जा रे आजा साजन हरजाई,
हुण जान निकलण ते आई।।

पुछदी ए प्रीत मेरी मैथों सवाल,
मैं की आखां सजणां मेरी जीना होया मुहाल,
पीड़ां दे परागे भुन्न तन दी मै भट्ठी ताई,
हंझुआं दा भाड़ा दित्ता यादां दी चुग सड़ाई।।

भेज दे सुनेहा मैनूं सद्द लै अपने कोल,
झल नहीं होंदे मैथों सहेलियां दे बोल।।

आखदा ए दिल मेरा पीड़ां दी परवाह नहीं,
तेरे औण दा लग्गा अखीयां दा चाअ ई।।

आखदे ने लोक प्रीत चढ़दी ना तोड़,
वेख लै सजणा ए सियाणेयां दे बोल,
देवीं 'दर्शन' नूं न बेवफाई।।

साडे बनेरे बोले कां

साडे बनेरे बोले कां,
अज माही ने औणा।।

दही दे विच मैं मारां मधाणीयां,
आजा वे अज मेरे उमरां दे हाणियां,
मखण कड के मैं उसनूं खुवावां।।

दुध ठंडा रखके मैं झलदीयां पखीयां,
माही दी उडीक विच थक गईयां अखीयां,
कोठे चढ़ चढ़ तकदीआं राहवां।।

कुंडा आण किस ने खड़काया,
मैनूं जापदा माही मेरा आया,
नी किते कोई होर होवे ना।।

रब्ब रुस्स जावे हो जाये गुजारा,
माही रुस्स जावे पै जावे पुआड़ा,
'दर्शन' माही बाझों होर कोई ना।।

मैं रब तैनूं तां मनणा

मैं रब तैनूं तां मनणा,
मेरा विछड़ेया यार मिला दे।।

सुणे फरियादां वे तूं अपणे मुरीदां दीयां,
पल विच लिख देवें मिटीयां नसीबां दीयां,
वे तूं मेरे वी भाग जगादे।।

मैं तां माण कीता तेरे उत्ते रब्बा वे,
झलेया नई जांदा मैथों विछोड़े वाला धब्बा वे,
नईयों लिखेया ते लिख के वखा दे।।

नित दे विछोड़े नालों चंगा मर जावणा,
भेज दे सुनेहा जे तूं नइयों आवणा,
मेरी इक वारी ईद करा दे।।

अरज करेसां तैनूं वास्ता ई देसां,
क्यों तुर गेयों विच परदेसां,
मेरा रुठड़ेया सज्जण मिला दे।।

खाली नहींयों मोड़दा सुणेया प्यासेयां नूं,
आसरे तूं देना ए सुणेया निआसरेयां नूं,
'दर्शन' नूं दरस करा दे।।

मैं मंगती मंगा तैथों खैर

तेरे बगैर मैनूं कोई न बुलांदा वे,
तेरा विछोड़ा मैनूं वड वड खांदा वे,
वे आ के मैनूं तूं संभाल,
हुण संभालण दा वेला ए।।

मै मंगती मंगा तैथों खैर वे,
हार सिंगार ना मंगा सतिकार वे,
दे दे प्यार दे बदले प्यार वे।।

पीरां दा पीर वे तूं शाही फकीर वे,
सुणेआ तूं लिख देनै मिटी तकदीर वे,
तक्क मैनूं तूं अपणी बना।।

तेरे पिछे छड दित्ता असां घर बार वे,
असां लाह सुट्टे सारे तन दे सिंगार वे,
तेरे गमां नाल कर लेआ सिंगार।।

पुछ पुछ लोकां कोलों तेरीयां वे थावां,
पुछे जे ना तूं दस किथे मैं जावां,
इस लई मैं मल्लेया दुआरा।।

मल्लेया द्वारा तेरा तेरे उत्ते ताण ए,
अपणे मुरीदां लई तूं शाही सुल्तान ए,
आखे तैनूं तेरी एह दासरी।।

मल्लेयां दुआरा तेरा तेरे उत्ते माण वे,
अपणे मुरीदां लई तूं शाही सुल्तान वे,
आखे तैनूं तेरी दासरी।।

मार भांवे सुट वे तूं कोई नईयों दुख वे,
तेरे बगैर चंगे लगदे नई सुख वे,
करां अरजां तूं पीरा मन जा।।

तेरे ख्याल विच मैं डुबदी डुब गई,
छा गई उदासी खुशी मैथों खुंज गई,
'दर्शन' छड के तूं कित्थे तुर गेया।।

दिल विछड़े सज्जण नूं याद करदा

दिल विछड़े सज्जण नूं याद करदा,
अखीयां चों डिगण अथरू।
नाले ठंडे ठंडे हौके रवे भरदा, अखीयां चों .....

रहम अल्ला मेहरबान अल्ला यारी यार दी मेरा ईमान ए,
जीणा यार बिना मरना यार बिना दर्शन ऐथे हराम ए।।

दिलबर आवे ते तांघां होण पूरीयां,
जुदाईयां मुक जाण टुट जाण दूरीयां,
विछोड़ा तेरा हुण दिल नईयों जरदा।।

अखीयां दी लौ हुण घटदी जावे,
दिल वाला दीवा मेरा टिमटिमावे,
रवे हरदम ठंडे हौके भरदा।।

तेरे सदके कुल आलम देआ मालका ओए,
मेरे मुदतां दे विछोड़े तूं मार मुका,
देवीं वास्ता यार दी यारी वाला,
मेरे इश्क दी लाज वे निभा,
उहदे आण तक मेरे जाण तक,
'दर्शन' कर्ज मंगदा दो चार साह।

कर के करार खौरे किथे डेरा ला लेआ,
हासे गवां के असां गम झोली पा लेआ,
'दर्शन' सजण बिना नईयों सरदा।।

तैनूं कुट कुट चूरीयां खुआवां

तैनूं कुट कुट चूरीयां खुआवा,
उड वे तूं कालेया कावां।
तेरा लख वारी शुक्र मनावां,
उड वे तूं कालेया कावां।।

आखीं जाके सजणां नूं आजा वे वतनी,
मैं उड़ीकदी तेरीयां रावां,
उड वे तूं कालेया कावां।।

घल्लेया सुनेहा सजणा इक नईयों मन्नेयां,
आया सावन मैं घबरावां।।

आखीं हौली हौली तूं बौहता ना बोली,
मैं तैनूं पई समझावां।।

आखीं सजनां नूं वे तूं जा के,
भेजे सन असीं अग्गे वी डाकीए,
पुछी केहड़े मैं बहाने आवां।।

मारदे ने लोकी मैनूं ताने मेहणे तेरे वे,
देस बेगाने जा के ला लए तूं डेरे वे,
लम्मे पैंडे ते औखीआं ने राहवां।।

काला ए रंग तेरा काला नईयों दिल वे,
जल्दी जल्दी उड कर नां तूं ढ़िल वे,
तैनूं दसनीआं मैं सिरनावां।।

'दर्शन' वी घल्लेआ कां हथ सुनेहा,
प्यार दा वास्ता ई माही नूं देवा,
हुण इक वारी वतनां नू आजा।।

वली दे द्वारे

वली दे द्वारे वेखे दीवे बलदे चारे,
नाद वजे करतार नाले वली वली।

अली जेहा शेर वली वरगा नई कोए,
जिस वल तक्के फतेह उसदी है होए,
वली करदा मैं वेखेआ अली अली।।

अली ते वली रब इको ने जापदे,
हरी राम नाम मेरे दाता ए साहिब दे,
अली वेखेआ ए करदा मैं वली वली।।

असां रब नूं मनणा छड दित्ता,
जदों दे अली दे दर्शन ने कीते,
अखीयां दे इशारे जापण वलीयां दे द्वारे।।

हर थाई वेखे मैं वली ने नज़ारे,
बिगड़े होए कम्म उस अली दे सवारे,
वली दीयां बरकतां दे भरे ने भंडारे,
वली वेखेआ मैं जपदा अली अली,

अली अल्ला वली मौला, खलकत दा ख्याल,
अली ते वली इको जोत समान ए,
उथे जले दीवा चौमुखिया,
अल्ला हू दीयां लौवां नाले।।

अली तो मैं जावां सदके,
वली तो मैं वारे वारे जावां।।
ओथे नाद वज्जे हरदम अल्ला हू ते सत करतार।।

अली दे बाझों चंगा लगदा नहीं जग,
रब्ब मिलदा ए अली दे सबब,
अली तों वड्डा कोई होर नहीं रब्ब,
अली तो मैं वारे वारे जां,
वली कर देंदा जेहड़ा सभे कम।।

अली देयां मंदिरां ते वली दीयां मेहरां,
वली तों मैं जिंद घोल घुमावां,
अली तो मैं वारे वारे जां,
नाले लख वारी शीश निवावां।।

सिफतां अली दीयां वली दीयां धुम्मां,
'दर्शन' अली दे मैं पैर चुम्मां,
वली तों मैं वारे वारे जां,
नाले अली तों मैं हऊं कुर्बान।।

ओथे नाद वज्जे हरदम अल्ला हू दीयां लोवां नाल,
वली दे द्वारे देखे दीवे बन्नदे चारे।।

मेरी अर्थी

मेरी अर्थी दे कंधेयां च,
इक कंधा तेरा होवेगा।
हसेगा जग कदे नाले रोवेगा।।

हसेगा क्यो कदे अगे होया नहीं,
मरदे ने कठ्ठे कल्ला कोई मोया नहीं।।
रोवेगा इस लई अगे कदे होया नहीं,
बेवफा मर गया वफादार मोया नहीं।।

मर गया कल्ला जे मैं गल मेरी मन लईं,
लाश मेरी नूं अग हथीं आप देईं,
होया कदे ना अगे कदे होवेगा।।

दे के दाख खोपड़ी भंन देईं,
रस्म जमाने दी वेखीं पूरी कर देईं,
चौथे तो बाद तेहरवां होवेगा।।

करना जे पै जाऊ कठ्ठ मेरे सतारवें दा,
बन लई चीरा तूं मेरी वफादारी दा,
आए होए दोस्तां च दुश्मन कोई होवेगा।।

वखीं ओहनां दोस्तां तों दुश्मन प्यारे सी,
तेरे प्यार नालों मैनूं दिल दुलारे सी,
आखीं कुझ ओनांनूं न तूं बदनाम होवेंगा।।

सौं जावीं चैन नाल जिवें मैं सौं गया,
अखां तों दूर हां दिलों नहीं दूर गया,
आवेगा याद 'दर्शन' कल्ला बैह के रोवेंगा।।

माही कर नी करार गेया

माही कर नी करार गेया,
मिलन दा बहाना कर के।

यार वेखदा ए मैनूं शर्मा के,
नाले अखां विच सुरमां पाके,
माही कोलों दी लंघ नी गेया,
मोड़ ते खलोती वेख के।

ओहदे मुख ते माता दे दाग,
वे चन्न चढ़ेया तारेयां नाल,
मैनूं सोच विच पा नी गेया,
दुख मेरे माही दा लोको।

विछोड़ा यार दा झल्लेया न जावे,
रुस्स गेया नी यार मेरा माये,
गम वाला मूसल लेया असां ला,
दिल दी धरती दे उत्ते।

यार दा दिल सुणेया दलेर सी,
ओस जेहा न जग उत्ते शेर सी,
'दर्शन' यार बणा नी लेया,
रब्ब दा बहाना करके।

अली तो मैं जावां सदके,
वली तो मैं वारे वारे जावां।।
ओथे नाद वज्जे हरदम अल्ला हू ते सत करतार।।

अली दे बाझों चंगा लगदा नहीं जग,
रब्ब मिलदा ए अली दे सबब,
अली तों वड्डा कोई होर नहीं रब्ब,
अली तो मैं वारे वारे जां,
वली कर देंदा जेहड़ा सभे कम।।

अली देयां मंदिरां ते वली दीयां मेहरां,
वली तों मैं जिंद घोल घुमावां,
अली तो मैं वारे वारे जां,
नाले लख वारी शीश निवावां।।

सिफतां अली दीयां वली दीयां धुम्मां,
'दर्शन' अली दे मैं पैर चुम्मां,
वली तों मैं वारे वारे जां,
नाले अली तों मैं हऊं कुर्बान।।

ओथे नाद वज्जे हरदम अल्ला हू दीयां लोवां नाल,
वली दे द्वारे देखे दीवे बलदे चारे।।

पहला शिकवा तेरे ते माए नी,
कदे सक्का मैनूं जाणेया नहीं,
दूजा रोस मेरा ए माए नी,
कदे मैनूं अपणा माणेया नहीं,
मैनूं कोल बिठा के पुछ माए,
अज पज्ज पाण नू जी करदा।

तूं ही गिरजा ग्रंथ नूर माए,
सब काबा मंदिर मस्जिद तूं,
तूं ए रण दी चण्डी महारानी,
मोह ममता दा भंडार वी तूं,
तैनूं वास्ता ए अपणे लहू वाला,
ओह हक जमाण नूं जी करदा।।

बाल रोंदा होवे तैथों दूर माए,
नीर अंखीयां च भर आंदा ए,
ना वेखे अपणा पराया माए,
सीने दर्द तेरे उठ आंदा ए,
मेरा माण ते ताण तूं माए,
अज जी भर के रोण नू जी करदा।।

मेरे दुख ते कदे तूं सुणे नहीं,
तूं हमेशा मैनूं दुतकारेया ए,
बिन पुछेयां बिन सबब कोई,
बिन कसूरों तूं मैनूं मारेया ए।
बेदोष बचपन वांग माए,
अज फिर मार खाण नूं जी करदा।।

मोह ममता रज्ज पांवदा ए,
परिंदा चोग चुगेंदा घर आंवदा ए।
भरोसा रब्ब उत्ते रखदा माए नी,
कदे आहलणा ना अपणा ढांवदा ए।
परिंदे वांग मेरीए माए नी,
अज उड़के के आण नूं जी करदा।।

मेरे गीतां दीयां शिकैतां च,
बोल तेरे दुख दे ने।
मेरे शिकवे हाड़ेयां च माए,
तेरे गम ते तेरे विछोड़े ने,
झूठे शिकवे शिकैतां तों माए,
अज काफ़र होण नूं जी करदा।।

मैनूं लोकां परायां मारेया ए,
तेरे हिजरां दिल मेरा साड़ेया ए।
सड़दी धुखदी याद च माए,
'दर्शन' ठंड पाण नूं जी करदा।।

कृष्ण लीला

ऐडी मिट्ठी शामां वे तूं, बंसी न बजाया कर,
जाया कर तूं सोहनियां, गऊआं नूं चराया कर,
मखनां ते दुधां नाल पलेया होया कृष्ण वे,
गोपीयां दे कोलों खोह के दही ना तूं खाया कर,
झुल्ल पिछे परदेस हुंदा मेरेयां वे सोहणेयां,
जंगलां दे विच चन्ना दूर ना तूं जाया कर,
मिट्ठे उत्तों लूण दा स्वाद बड़ा आंवदा ए,
ऐडड्डी मिट्ठी शामां वे तूं बंसी ना वजाया कर।।

कोई परदेसी गांव में आया,
उसने मेरा दिल चुराया,
सारे पिंड विच पै गया शोर,
सईयों नी मेरे प्यार वाला,
सब सहेलीयां आखन मैनूं
किवे तूं पाया ए ओहनूं
प्यार होवे नी कच्ची डोर,
कह गए बड़े सयाने।।
कृष्ण मुरारी कृष्ण मुरारी।।

घर विच बैठी मैं औसीयां पावां,
कान्हे ने आण कुंडा खड़काया,
मेरे दिल ते ना चलेआ जोर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

देखेया नी मैं रूप नूरानी,
हो गई मैं उसदी दीवानी,
नी ओह जापे चित दा चोर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

उसते सी नी अल्हड़ ज़वानी,
तुरदा नी ओह चाल मस्तानी,
जिवें तुरदे ने बागी मोर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

मेरे माही दा रंग है काला,
नाम है उसदा बंसी वाला,
लोकी आखन नंद किशोर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

(सखीयां दा मात यशोदा नू उलाहमां देना)

सखीयां: मैया राम राम,
किथे है तेरा शाम

माता: गेआ गऊयां चराण,
दस्सो की ए फ़र्मान।

सखीयां: सुन मैया प्यारी,
नी तेरा कृष्ण मुरारी
बैठा यमुना दे घाट,
नी असां वेखिया ए आप।।

माता: नी ओह मेरा है श्याम,
नी एह झूठा इल्जाम।।

सखीया: सुन मैया प्यारी,
तेरा कृष्ण मुरारी,
मैया गल सुन साडी,
उस खेड़ी उस्तादी,
अस्सी करीये इश्नान,
नी ओह आया शैतान,
नी ओस चुके साडे कपड़े,
बैठा दरखत ते जा के,
नी ओस बड़ा सताया,
नी ओह बाज ना आया।।

माता: सुनो गल तुसी अड़ीओ,
तुसी कुछ वी न करीओ।
नी ओह आवे जदों घर,
लवां उसदी खबर।।

सखीयां: सुन मैया हमारी,
तेरा कृष्ण मुरारी
तेरी अख दा है तारा,
सानूं लगदा है प्यारा।।

(कृष्ण जी दा औणां ते सखीयां दा भजणा)

मैया: नी वेखो आ गया है श्याम,
किथे लगीओ नी जान,
सुन श्याम प्यारे,
सखीयां ताने मारे,
वे तूं गेयां ए घाट,
कपड़े चुके तूं आप।।

कृष्ण: सुन मैया गल मेरी,
सखीयां देवण चुफेरी,
आपे छेड़दीयां मैनूं,
ताने देंदीयां ने तैनूं।।

मैया:(सखीयां नूं) नी तुसीं साहमणे दसों
हुण ऐवें ना हसों।।

सखीयां: असां कीता मजाक, सानूं कर दे तूं माफ,
तेरा नंद किशोर, साडे मन दा नी चोर।
नी एह मक्खन खावे, साड़ी मटकी भन जावे,
नी सानूं करे परेशान, नी एह तां बड़ा शैतान।
जद एह मुरली बजावे, साड़ी होश भुल जावे,
असीं कहीए की होर, साडे चित दा है चोर।

मैया: नी तुसीं ऐवें पावो शोर, तुहाड़ी गल कोई होर।
लो वेख लवो शाम, बोलो सीता राम।।
नी ओह कृष्ण मुरारी।। पंख मोर दा सिर सजावे,
दही डोहले ते मक्खन खावे,
मटकीयां भन्न जावे हर रोज,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

इक दिन बैठा गऊआं चरावे,
सईयों नी ओह बंसी बजावे,
गऊयां चुगदीयां आवण दौड़,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

खेल उसदे बड़े न्यारे,
जा चड़ेया ओह विच चुबारे,
मामा कंस नू वाजां मारे, नी ओह कृष्ण मुरारी।।

असां वेखिया ए नंद किशोर,
जुल्म कंस दा नहीं होणा होर,
'दर्शन' कर लिया पक्का कौल,
अज संग मुरारी।।

(राधा ते कृष्ण दे सवाल जवाब)

राधा: सुन वे काहना मेरा तराना,
केहड़ी गलों तूं होया बेगाना,

कृष्ण: सुन नी राधा, तूं मेरा इरादा,
अमर रहेगा प्यार ए साडा,
आखे कृष्ण मुरारी।।

राधा: सखीयां मैनूं देवण ताने,
तुर गिओं तूं देश बेगाने,
आखे राधा प्यारी।।

कृष्ण: सुन नी राधा, तूं मेरा इरादा,
इको वतन इको देश है साडा।।
आखे कृष्ण मुरारी।।

राधा: सब सखीयां आखन हथ जोड़ी,
साडे वल्लों चन्ना न मुख मोड़ी,
तेरे बिना ना साडा कोई होर,
सुन बांके बिहारी।।

कृष्ण: सुन नी राधा इक गल मेरी,
होवेगी पूजा, तेरी ते मेरी,
लोकी देवणगे नाम तेरा जोड़,
संग कृष्ण मुरारी।।

जन्म कृष्ण महाराज जी दा

घर घर दे विच खुशीयां मनावण,
देवते अरशां तों फुल्ल बरसावण,
नर नारी सब मंगल गावण,
नी अज आ गेया नंद किशोर,
घर मात यशोदा।।

गली गली विच मच गेया शोर,
घर मात यशोदा।।

वेखेया उस दा रूप इलाही,
शगन मनावण, देण वधाई,
सोहने मुखड़े ते चमके नूर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

शाम दी लीला देखी न्यारी,
जिसका नाम जपे दुनियां सारी,
उस जेहा न कोई होर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।

संग राधिका ते सब सखीयां,
तेरे उत्ते सबनां आसां रखीयां,
साड़ी प्रीत नूं चाहड़ी तोड़,
वे सुन कुष्ण मुरारी।।

सोहना रूप सी उसदा काला,
सईयों नी ओह बंसी वाला,
'दर्शन' दिल दा बणया नसूर,
नी ओह कृष्ण मुरारी।।

उसने सी इक खेल रचाया,
नाग कालीया नथ लिआया,
होर सुनो इक उसदी कहानी,
दर्शन कीते पूतनां दाई,
खोल हथां नूं देवे दुहाई,
नी एह जापे कोई होर,
मेरा कृष्ण मुरारी।।

'दर्शन' शामां आईयां सिर ते,
जप नाम तूं अपने हिरदे,
लोकी सुन न लैवण शोर,
यार दे घर वाला,
सईयों नी मेरे प्यार वाला।।

'दर्शन' दे सिर ते साईं दा हथ ए,
जिस ते सानूं कोई ना शक ए,
नी असां कर ऐतबार लिया,
ओस कृष्ण मुरारी।।

कृष्ण दे दर्शन, 'दर्शन' ने कीते,
नैनां दे जाम उस भर भर पीते,
अखां विच चमके नूर, मेरे कृष्ण मुरारी।।

'दर्शन' दा ख्याल सी उस नाल सांझा,
जिस बिन दिसदा ए जग वांझा,
उसनूं आखण नंद किशोर नी ओह बांके बिहारी।।

'दर्शन' शाम संग राधिका, जिसनू आखण मेरा हिरदा,
प्रीत उस संग असां लई जोड़ जिस राधा प्यारी।।

गली गली मच गिया शोर, आ गेया कृष्ण मुरारी,
अज आ गेया नंद किशोर, घर मात यशोदा।।

मात यशोदा दा कृष्ण
ते मिट्टी खान दा शक करना

मात यशोदा वाजा मारे,
गल सुन मेरी मुख दिखलावे।
शक माता नूं सी मिट्टी खावे।
लै वे चन्ना मक्खन खा वे,
आखे 'दर्शन' मात यशोदा,
जिस राधा प्यारी।।

कृष्णः मैया मैं नहीं मिट्टी खादी,
शक ना कर माता क्यों घबरांदी,
मात यशोदा खिड़ खिड़ हसदी,
माया तिन लोकां दी वसदी,
दर्शन दित्ता उस मुख जदों खोल,
दिसे रूप हज़ारी।।

'दर्शन' हीला वसीला है सब दा,
उसदा यकीन पूरा है रब्ब दा,
लोको होवो ना डावांडोल,
नी एह कृष्ण मुरारी।।

'दर्शन' नबी पैगंबरां दा वाली,
तेरा हां भगत तेरा ही सवाली,
जिस संग प्रीत राधा पाली,
ओह मेरा (कृष्ण) मोहन मुरारी।।

'दर्शन' दी दीद उस रब वाली दीद सी,
जिस दे रकीब सारे, उसदा हबीब सी,
सानूं ओसे दी है रैहंदी सदा लोड़,
जिस राधा प्यारी।।

हथ जोड़ के माफी मंगदी,
माफी मंगणों ना मैं संगदी,
असां कीतीयां ने गलतियां करोड़,
वे सानूं तूं माफ कर दे।।

दर्शन' ने कर लिया वादा अपने प्यार दा,
हुक्म अज मन लिया सोहणी सरकार दा,
उस खा अज कुछ लिया, जिस राधा प्यारी।।

कर लिया असी उस नाल अज कौल ए,
जन्म जे लैणां पेया, सांनू इक होर ए,
सानूं लै आयीं आपणे नाल,
सुन कृष्ण मुरारी।।

असां औणां ए हिन्द बंगाल, संग राधिका प्यारी

'दर्शन' दे दिल विच दुःख एतबार दा,
मान जिस कीता सी अपने प्यार दा,
उस देणे कौल निभा, जिस राधा प्यारी।।

मेरी अर्ज़ वे सुणदा जा

मेरी अर्ज़ वे सुणदा जा,
करसां मैं कम्बली वालेया।।
मेरी बिगड़ी तूं देवीं बना,
पीरा वे पीरी वालेया।।

करमा दी मारी कमली बेचारी,
रो रो अर्ज़ गुज़ारे,
मेरी डुबदी बेड़ी नूं बन्ने ला,
पीरा वे पीरी वालेया।।

शेयरः लिख दित्तीयां ने तूं,
तकदीरां दीयां मिटीयां लकीरां,
तैत्थों कुछ वी नहीं छुपदा,
तेरे सारे ने मुरीद, तूं हैं इक रब्ब सबदा।।

अर्ज़ करेसां तरला देसां सुन ले तूं फरियाद,
मेरा बुझेया चिराग जगा, पीरा वे पीरी वालेया।।

शेयरः खिमा देया जाचका मैनू खिमा करदे,
मेरे गुनाहां दा खाता बंद करदे।।

असां झल्लीयां ने तेरीयां सज़ावां,
पीरा व पीरी वालेया ।।

तेरे वरगा दाता मैनूं लब्बेया ना कोई,
तन, मन धन तुध देसाँ साई।
मेरे उते तूं कर्म कमा, पीरा वे पीरी वालेया।।

शेयरः खाली मैनूं मोड़ी ना, मैं वास्ते पावां
तेरे नालों उच्चीयां ने केहड़ीया थावां,
इसे लई मैं तेरा मल्ल लेया द्वारा,
तैथों कुछ नहीं छुपदा।।

शाहां दा शाह तूं, फकीरां दा फकीर वे,
सूरज चन्न तारेयां ते, तेरी ही तमीर ए,
तेरे हत्थ विच दाता मेरी तकदीर ए,
मीयां 'दर्शन' नू तूं आपनी बना,
पीरा वे पीरी वालेया।।

ओहदा मुख सी सोहणा

क्यों रुस्स बैठा ए की कीता ए कसूर,
अखां मेरीयां दे विच सोहणेया तेरा ए सरूर।

ओहदा मुख सी सोहणा लगदा बड़ा प्यारा,
इस विचों हुंदा सी मैनूं रब्ब वाला नजारा,
दिल बार बार करेंदा मैं ओहनूं तक्कां दोबारा।

करां मिन्नतां दिन रात करां अरजोई,
तेरे बाझों चन्नां साडा होर नहींयों कोई,
हुण होणा नहींयों सजणा बिन तेरे गुजारा।

कूक मेरी सुण मैं औंसीयां पावां,
दर्द विछोड़े 'च चन्ना मरदी मैं जावां,
'दर्शन' माही आवे मैं काग उडावां।

गोरे रंग ते गिला काहदा करना

गोरे रंग ते गिला काहदा करना,
गोरेयां दी जात माड़ी।।

गोल मोल गल्ला करदे,
गोल करदे प्यार ने,
अपणे तों वधके ना रखदे किसे द ख्याल,
गोरे हुंदे नहीं किसे दे यार,
गोरेयां दी जात माड़ी।।

गोरा रंग वेख लोक क्यों डुल डुल पैन्दे ने,
पता नहीं लोकी क्यों इंझ पये कैहन्दे ने,
गोरेयां उत्ते ना करीए एतबार.....

गोरेयां दे शहर 'च' 'दर्शन' गया भुल,
जित्थे मिलदे ने बिन खुशबूओं फुल्ल,
बणके मिट्ठे एह करदे वार,
गोरेयां दी जात माड़ी।।

तेरी यारी नालों चंगीयां ने यादां तेरीया

तेरी यारी नालों चंगीयां ने यादां तेरीयां,
जो कदे वी जुदा मैथों नहीं हुन्दीयां।।

आखदे ने जग वाले यारी कदे लाईए ना,
यार भुल जाण कदे यार नूं भुलाइए ना,
जिन्द कर देइए यार तों कुर्बान,
मेरे यार नालों चंगीयां ने यादां ओहदीयां।।

जिसदा यार रूस जावे,
ओहदा जग विच जीणा की,
जीने बिरहा दी मार नी खादी,
ओदा जग विच औणा की।।

बिन यार दे आण यादां,
नींद कमीनी दा आणा की,
इक चीज़ होवे ते इक गल करां मैं,
न दिल चुप रवे न अक्खां चुप रवे,
दस किहनू मार मुकावां मैं,
नींद ना आवे ते आ जाण यादां तेरीयां,
बिरहों दी तांघ तेरी ते उम्मीदां मेरीयां,।।
मेरे यार नालों चंगीया ने यादां ओहदीयां।।

यूसुफ नूं सी माण हुसन दा,
सूतर दे मुल्ल गवाया,
चढ़ मनसूर सूली इश्क दी,
आना हक़ दा नारा लाया।
शमस तबरेज़ खल्ल लुहा के,
हुस्न नूं याद कराया।।
तेरी यारी नालों चंगीयां ने यादां तेरीयां।।

अक्खीयां दे दीवेया 'च' दिल वाली बत्ती,
रत्त लहु दा तेल बनाया,
जगाया यादां ने, हनेरे 'च' लौ कीती,
'दर्शन' यार रब्ब नू बनाया।।

हीर सियाल

सुनो सहेलियों इक जोगी आया,
हीर पीछे उस रूप वटाया।।
तख़्त हज़ारे दा ओह मालक
रांझण आख सदाया।।

कन्नीं मुंदरां गल गानी पाई,
सुनो सहेलियों इक जोगी आया।।

हीर बाबुल नूँ हाड़े पावे,
खेड़ेयां नाल मैनूं ना ब्याह वे,
वे तैनूं वास्ता खुदा दा, आखें हीर बेचारी।

माए नी तूं बाबुल नूं समझा,
राझंण नाल मेरा करदे ब्याह,
मैं नहीं वसणा घर खेड़ियां,
आंखे तेरी धी नी माए प्यारी।

छड अड़ीयां धीए जिद न कर नी,
रुल जाएगी तेरे बाबुल दी पग नी,
आखां तैनूं मैं हथ जोड़, बण धी तू सियाणी।।

रब्बा वे तूं कहर ना कमाई,
कीता कौल मेरा तोड़ चढ़ाई।
करदी अर्ज़ है हीर सियाल, आखे हीर बेचारी।

रब्ब रसूल आसां दे वाली,
झोली भरदे मेरी खाली,
तेरे दरबार दी मैं हां सवाली,
'दर्शन नहीं मैं किसे दी होर, आंखे हीर...

सजणा वे दूर देया

सजणा वे दूर देया,
इक वारी सजणा, मेरे कोल आजा।।

दूर दूर रह के चन्ना झट नहींयो लंघदा,
सिर ते आ गया सौण दा महीना,
सारा सौण लंघ ना जावे।।

लोकां दे चारी मैं, सुखी बड़ा लगदा,
चोरी-चोरी रोंदा रैहदां ऊपरों मैं हसदा,
मेरा नित्त दा रोना मुकादे।।

दिल च वसाया तैनूं वसदा रवें सजना,
लोग बेगाने ने तूँ हैं मेरा अपना,
तैनूं 'दर्शन' उड़ीके पेया।

दीद तेरे आवण दी

दीद तेरे आवण दी साडा दिल वड वड खावे,
दीवा मैं जगाई रखदी खौरे माही कुंडा खडकावे।

कुट कुट चूरीयां मैं माही लई रखीयां,
आके खावे ओहनूं झल्लांगी पक्खीयां,
माही उत्तों मैं वारे वारे जां वे।

तेरे नाल सजणा ए जग ते बहार वे,
तेरे बगैर कोई करदा न प्यार वे,
साडा आके कुंडा खड़का दे।

दूर रह के चन्ना मेरा लगदा न दिल वे,
ऐसा कोई बहाना कर जाईए असीं मिल वे,
'दर्शन' दिल दा एह दर्द वंडा दे।

माही रे माही मैनूं आपणी बना लै

माही रे माही मैनूं आपणी बना लै,
मैं ततड़ी तेरे तरले पावां रुठड़ा पीर मनावां।

लोकां कोलों छुपांदी रही मैं,
तेरा प्यार न मैथों छुपेया,
असां गल विच पा लया ढोल,
ढंढोरा डगर डगर पिट्टेया,
माही इक जे नहीं कोई होर।

मैं को बणज़ प्रेम चाकेओ,
वणजारेया वांग दुहाई दीयो,
इक हमारा साईं, इको संग प्रेम कीयो,
माही रे माही.....

देश विदेश कीयो उपकारा,
जिस जिस नाम जपेयो तुम्हारा,
आठ पहर पूजा करे 'दर्शन',
जिस पर मेहर करे निरंकारा।।

चरखे दे चक्केयां ते

चरखे दे चक्केयां ते सोने दीयां मेखां,
बार बार मैं पई बूहे वल्ल वेखां,
माही आके तूं कुंडा खड़का,
कि माही हुण आ वी जा।

विदेसां देयां वासीयां कीता दिल उदास मेरा वे,
मैनूं इंझ जापे चेता भुल्ल गेया मेरा वे,
मेरे परदेसी हुण आ जा।

चाअ मैनूं चरखे दा कत्तां काली रात 'च,
तेरीया उडीकां ने दिल मेरे विच,
विछोड़े तेरे ने मार सुट्टेया।

आस तेरी ने मैनूं कीता बे आस ए,
अखीयां प्यासीयां नूं तेरी ही प्यास ए,
बिन पानी ना मैं मर जां।

चरखे दी चम चम सोहणी लिशकार,
मैं ततड़ी विच सखीयां बे मुराद,
वे तूं आ के दिलासा दे जा।

पक्की प्रीत मेरी चरखे दे नाल लग्गी,
नींद नकारी मेरी औंदी नहीं अक्खी,
चरखा कत्तदी मैं सौं ना जां।

चुन्नी दा पल्ला हथ उत्ते लपेट के,
लोक मैनूं वेख ताहने तेरे ने देवंदे,
दिल सड़ सड़ हो गेया सवाह।

चाअ मैनूं चढ़ गेया चन्ना तेरे औंण दा,
कई सालां बाद आया महीना सौंण दा,
कोठे उत्तों उडानीं आं कां।

सोचां सोचां तेरीयां मैं चन्ना वे,
वेहड़े 'च ख्याल मैं पई भन्नां वे,
माही आवे मैं लवां बिठा।

चढ़ गई चन्ना मेरी सजरी सवेर ए,
रात वाले दुख शाला मुक्के न फेर वे,
मेरा लूं लूं ए वाजां मारदा।

डंग डंग दिन मेरे दुखां नाल निकले,
फेर वी न सिधे होये चरखे दे तरकले,
वल तेरा मैनूं पै गेया।

अंबीयां दे बुटेयां ते बूर ढोला पै गेया,
रोग तेरे वाला मेरे हड्डां विच बैह गेया,
मेरा अंग अंग तराटां मारदा।

तेरी याद विच बूटा लाया मैं अनार दा,
पुछ लै हाल आके तूं दिले बीमार दा,
वेख रह गया आखरी साह।

मैं वट्ट लई माल अपने प्यार दी,
अखीयां नूं भुक्ख चन्ना तेरे दीदार दी,
'दर्शन' थक गया तक्क तेरा राह।

हथ जोड़ा मैं अर्ज गुज़ारां

हथ जोड़ा मैं अर्ज़ गुज़ारां पा दे खैर मंगती नू।।
तेरा मल्लेया द्वारा, पा दे ख़ैर मंगती नू।।

मेरीयां मुरादां नाल पीरा झोली भरदे,
करदे आस पूरी रहमत दी ख़ैर दे,
सिर सदके मैं वारी वारी जां।।

तेरे द्वारेयों खाली कोई नहीं मुड़दा,
हाल आके वेख लै तूँ आपने मुरीदा दा,
हुण रह गया ए अखिरला साह।।

दुनिया दे वाली, आया बन के सवाली मैं,
मैनू गल ला लै हां दुखां दी मारी मैं,
तूँ दाता मैं तेरी भिखारी आं।।

मैं मान करेसा वे तूँ वसे परदेसां वे,
तेरा नाम परदेसी, साड़ा भूल गया चेता वे,
तैथों खैर दीद दी चाहवां।।

मेरीयां ते लोड़ा होणीयां तेरे कोलों पूरीयां,
आ हो जाइए इक तैनू की ने मजबूरीयां,
'दर्शन' मन्न जाये मैं शुक्र मनावां।।

रब्ब वरगा आसरा तेरा

रब्ब वरगा आसरा तेरा,
दिल च वसण वालेया।।
नहीं भूलदा चेता मैनूं तेरा,
याद मैनूं आण वालेया।।

तेरे ख्याल 'च रब्ब गई भूल मैं,
छडके जहान सारा तेरी हो गई मैं,
तैनूं किवें मैं दिल चों भुलावां,
याद मैंनू आण वालेया।।

तेरे नाल प्यार कीता दिल 'च वसा के,
हसदी ऐ काली रात, चन्न छुपा के,
दस तैनूं मैं कित्थे छुपावा,
अक्खीयां 'च वसण वालेया।।

रकीबां दे सिखायां मोड़ लेया मुख वे,
आके वेख मैनूं किन्ना होया दुख वे,
तैनूं केहड़े केहड़े दुख मैं सुनावां,
दुखां विच वसण वालेया।।

वसदा ए जग सारा, वसदा रवीं तूँ वे,
हर वेले चन्ना मेरा तेरे वल मुंह वे,
'दर्शन' रोदां ते किसे नू नहींयो दसदा,
याद मैनूं आण वालेया।।

ओ दूर जाण वालेया

ओ दूर जाण वालेया, सुन परदेसीया,
केहड़ी गल्लों चन्ना, वे साड़ा दिल तोड़ेया।।

तेरेयां रोसेयां ने सानूं मार सुटिया,
की सी कसूर केहड़ी गल्लों वे तूँ रूसेया,
मन्न जाई तैनूं वास्ता खुदा दा।।

आवेंगा इक दिन, दिल मेरा आखदा,
अज मेरे माही आणा, ईंज पेया जापदा,
जा के राह विच मैं खलो जां।।

आण वाला वादा तूँ, भूल गेयों सजणा,
तेरे बगैर साड़ा, वेहड़ा पेया सखणा,
साड़े वेहड़े 'दर्शन' चन्ना, फेरा पा।।

औंदें ने दिन याद

औंदे ने दिन याद, बचपन दीवाने दे,
मुड़दे नहीं ख्याल मेरे गुज़रे ज़माने दे।
अब तो बुला ले.....

वांग सुदाईयां वे, मैं गली गली फ़िरेया,
तेरे वरगा मैनूं प्यार नहीं मिलेया।
अब तो बुला ले....

लोकां दीयां बोलीयां मेहणे असां खादे,
भुले नहींयों नगमें बचपन दीवाने दे।
गीत नवां कोई गालै.....

औंदे ख्याल जदों सजना तेरे ने,
सुणेया ए दाता तेरे दोस्त बथेरे ने।
अब तो बुला ले रे .....

कीतियां गल्ला याद औदीयां मैनूं ने,
दिल 'दर्शन' दा पईया परचौंदीयां ने।
गले लगा ले रे .....

मेंहदी मौत दी ला लई ए

मेंहदी मौत दी ला लई ए,
हुण वे तूं आजा माही,
बरात गमां ने सजा लई ए,
हुण वे तूं आजा माही।

हुण ना तूं आयो फिर कदों आवेगा,
कीहदे करेंगा चाअ कीदे शगन मनावेंगा,
जान निकलन ते आ गई ए,
हुण वे तूं आजा माही।

आजा बिन सोचयां, सदके मै जांवागी,
सोहने जेहे मुख दी मैं ईद मनावांगी,
ईद बकरीद आ गई ए, हुण वे तूं आजा माही।

आ गया सावन तों भादों दा महीना,
तड़फदा ए दिल जिवें पाणी बिन मीना,
'दर्शन' रुत मुड़ ओह आ गई ए,
हुण वे तूं आजा माही।

रह गए ज़िंदगी दे दिन चारे

रह गए जिंदगी दे दिन चारे,
परदेसों हुण आजा सजणा।।
रीझां कोरीयां ते चाअ ने कंवारे,
परदेसों हुण आजा सजणा।।

जदों दा हो गया तूं परदेसी,
घर दी दहलीज़ कदे टप के नहीं देखी,
कदे वेखेया नहीं कोठे दा बनेरा,
परदेसों हुण आजा सजणा।।

पूछदा ए दिल मेरा डाडा दुखी होके,
अक्खीयां वी दसदीयां छम छम रोके
हुण झल्लेया विछोड़ा तेरा नहींयो जादां,
परदेसों हुण आजा सजणा।।

पूछदे ने लोक मैनूं पूछण सहेलीयां,
दस्सा की ओहना नूं दस वे तूं बेलीया,
मैत्थों प्यार छुपाया नहीं जांदा,
परदेसों हुण आजा सजणा।।

रीझां अते चावां नाल असां वी प्यार कीता,
परदेसी सजना दा 'दर्शन' इतंजार कीता,
मेरा टुट ना जाए एतबार,
परदेसों हुण आजा सजणा।।

वो आकर बैठ गए कुछ चुप से

वो आकर बैठ गए कुछ चुप से कुछ उदास से,
हम देख कर उनका मूड थोड़ा सा घबरा गए,
नादां ना थे, कमसिन न थे, मेरे महबूब से।।

उनका तैराना नज़रे चुराना, लगता था अजीब सा,
न जाने क्यों उनसे था हमको इतना प्यार सा।।

उनसे ज़माना कहता था वो कोई चित्त चोर था,
मेरा नसीब मैं ना जाना, उनका क्यों मुरीद था।।

हमसे तो उनका रूठ जाना,
ना जाने 'दर्शन' क्यों मंजूर था।।
है तो वो भी मेरी तरह,
किसी गुनाह का कसूर था।
'दर्शन'सबब मिल जाए रब्ब
पुछ लूं तुमसे या कोई और था।।

उनकी नज़रे नज़राना बन गई,
जब से खज़ाने दिल में,
उनकी नज़रें उनसे पूछें क्या
क्या गली में आज शोर था।।

नज़रें उठा कर देखा मगर,
मेरे महबूब थे ना कोई और था,
हमसे भला उनका शिकवा,
वफा था ना कोई और था।।

झुका हुआ सर सजदे,
काबे महबूब बुत्तखाना था,
उनकी दीद वफाए हबीब,
मेरा मुकद्दर मेरा नसीब था।।
उजू नमाज़ पूजा न पाठ,
मेरा खुदा विच मखलुक था,
ना हज जाया ना तीरथ नहाया,
उतरे ना मन का गरुर सा।।

बन्दा है रब्ब रब्ब है बन्दा,
लिखेया किताबे जरूर था,
डरते थे हम निगाहें करम,
बता दो मेरा कसूर है क्या।।

रब्ब रसूल आसां दा वाली,
उस जेहा ना कोई और था,
'दर्शन' सबब बन्दा है रब्ब,
बन्दे जेहा ना कोई था।।

शेयर

रोया बार-बार लोको, मैं वी प्यार दे पीछे,
पुछण लोक मैनूं, तेरा यार कित्थे।
की दस्सां एहनां लोकां नू, वसदा तूं नहीं जित्थे।
वैसे तां छिपांदा रेहा, लोकां कोलो तैनूं यारा,
'दर्शन' प्यार कदे, किसे तों ना छिपे।

तन दीयां पूणीयां बिरहों दे सूतर कत्ते,
उगलां पैरां दीयां, पोटे हथां दे।
औसीआं पा पा 'दर्शन' दिल दे वेहड़े पुट सुट्टे।

असां वेख लेया, प्यार लोकों करके,
मैनूं तुर गया सुत्ती नू छड़के, मर्दां दे वादे झूठे।
आखदे ने लोक प्यार होवे पूजा रब दी,
एह वी रस्म करके वेख लई असां लोकों जंग दी,
मर्दां दे वादे झूठे।

वो वाकिफकार थे मेरी आदत मेरे ख्यालों से,
मगर हम कोई फायदा ना ले सके,
अपने दिल के सवालों से।
हम भी उड़ जाते थे, किसी के कहने से,
वैसे हमारी आदत और ख्याल उनसे मिलते थे।

इश्क जात नहीं पूछदा, सुनो लोको,
ना इश्क दा कोई धी पुत हुन्दा।
इश्क वाले नहीं पुछदे माल ख़जाना,
ना इश्क दा कोई रिश्तेदार हुन्दा।
नहीं वेखदा उम्र इश्क
ना किसे दा कदरदान हुन्दा।
इश्क दीन ईमान अते अकीदा,
गोरे काले दा ना एह पहचान हुन्दा।
दिल वाले करदे ने इस दा व्यापार
एह बुढ्ढा ते ना एह 'दर्शन' जवान हुन्दा।

रब्ब दी रहमत मेरी जबानी:
उनकी बला हमारी आदत किसी को पसन्द थी।
अल्ला करे वो सभी के पास रहे, जो मेरे पास था।

हम ढूंढ तो लेते दवा दिल की,
मगर दिल मेरा था, अमानत मेरे महबूब की।

आपे बण नारायण अवतार लोको,
आपे कल नू तारन आया ए।
आपे बण के हिन्द दे दशमेश पिता,
सारा सरबंस दान चढ़ाया ए।
सतनाम दा जिसने चक्कर चला के,
आण बाटे दा अमृत छकाया ए।
उस वरगा न होवेगा वली लोको
खालसा पंथ जिस सजाया ए।

सावन महीना सालां बाद आवे

सावन महीना सालां बाद आवे,
मैं ततड़ी दा सुक्का लंघ जावे,
मारन बोलियां सखीयां बेशुमार,
वतना नूं मुड़ हाणीया।

अम्बां दे बागी मैं पींघा पांदीयां,
चाअ मेरे झकदे ते रीझा शरमांदीयाँ,
दिल इक अते अखीयाँ ने दो,
वतना नूं मुड़ हाणीया।

न नींद आवे मैं उठ के बैह जावां,
अक्खीयां ते हत्थ रख दिल नू समझावां,
'दर्शन' छड गेयो मैनूं कल्ली क्यों,
वतना नूं मुड़ हाणीया।

दुखां दे सराहणे ते गमां दीयां चादरां,
रोज सवावां फिर भी नहीं सौंदीया,
तेरीयां मिट्ठीया ते फिक्कीयां यादां ने ओह,
वतना नूं मुड़ हाणीया।

जाग जाग कट दित्ते जिंदगी दे दिन सारे,
यादां दे पलंघा ते उम्मीदां ने पलसेटे मारे,
कद आवेगी वसल वाली रात ओ,
वतना नूं मुड़ हाणीया।

दिल तोड़ के जाने वाले

दिल तोड़ के जाने वाले,
मेरी भी सदा लै जा।
तूं की दर्द पछाणे,
सुण वे तूं बेदर्दा।

वफा देया वालीयां, वफा मेरी लै जा,
लोकां दे सामने आपणी कह जा,
बस मेरी वी सदा लै जा।

टुटे होए दिलां दी, तोड़ ना आस,
होर कीदे अग्गे, असीं करीए फरियाद,
बस मेरी वी सदा लै जा।

वे रब्बा साड़ी गल सुन लै

वे रब्बा साड़ी गल सुन लै,
साड़ा यार साड़े वल करदे।।

कित्थे वसदा ए तूं दस अड़ेया ठिकाना,
तेरे आण नाल मुक जाऊ साडा आना जाना।।

वे रब्बा जिहदा यार ना होवे,
विच दुनिया दे जीण दा की चज,
साडा यार रब्बा तूं साडे वल करदे,
सुन सोहणेया, साड़ी एह गल। रब्बा.....

"ना मेले लगदे ना मिलदे यार,
ना कोई सोहनी हुन्दी,
ना कोई बणदा महीवाल,
ना कोई रांझा बणदा,
जेकर हुन्दी न हीर सियाल,
लैला लैला करदा ना मजनूं मरदा,
ना मरदा शीरी पीछे फरहाद।
सस्सी पुन्नू दे किस्से ना गांदा कोई,
जे बिछुड़दे ना ओह यार,
ना याद औन्दे ना असीं तरसदे,
जे 'दर्शन' हुन्दा साड़ा वी कोई यार।।"

इक दिन बैठी मैं औसीयां पावां,
बेनरे तो मैं काग उड़ावां,
साड़ा आ जावे माही किसे पज्ज, वे रब्बा...

रखीयां मैं उम्मीदां माही दे आण दीयाँ,
तुर गईयां पेकेओं मेरे हाण दीयां,
कोई आण दी तारीख दस जा, वे रब्बा.....

छल्ला

नईयों लभदा पितल दा छल्ला,
लाह के मैं सुट देवा।।

करदे ने प्यार जो छोटा वडा जाण के,
दिल वाले रिश्ते ओह नईयों पहचाणदे,
औंदा ओहना नू नहीं प्यार निभाणा।

छल्ले वल वेख वेख दिन रात कटदी,
लिख लिख चिट्ठीयां, ऊंगल सुज गई हत्थ दी,
जिस विच सी तूँ पाया छल्ला।

सोच-सोच सोहणेया मैं तां हार गई,
केहड़ी गल्लों मेरे नाल, रुस सरकार गई,
लभां केहड़ा मैं औंण दा बहाना।।

छल्ले दी निशानी शाला रवीं सदा वसदा,
पैर वाला बिच्छु मैंनू हरदम डसदा,
क्यों तुर गेयों छड 'दर्शन' कल्ला।।

वे मेरा मुकेया नईयों इन्तजार

वे मेरा मुकेया नईयों इन्तजार,
मुक चली जिन्दगी मेरी,
तैनू वाजा मारे मेरा प्यार,
आजा आ गई रूत्त वे मिलन दी।।

ओ रस्मां रिवाजां दे छडे मैं खेहड़े,
मंदिर मसीता, रब्ब दे द्वारे।
तेरे आसरे तेरे ही सहारे,
दरस उम्मीदां दिल मेरे। आजा आ गई.....

दिल मेरा आखदा ए तैनूं भुल जावां,
ना तैनूं याद करां ना तैनूं याद आवां,
किवें भुल जावां सावन बहार, आजा आ गई....

ख्याल मेरे दिल दे खुजें अजे नहीं,
तेरे जेहा जग च, होर कोई नहीं,
क्यों भूल गया कौल ते करार, आजा आ गई...

सोच सोच हार गई उम्र बेकार गई,
झूठी दुनिया च सजना मैं हार गई,
'दर्शन' दिल रोंदा बेशुमार, आजा आ गई...

अज फिर मैनूं ओं

अज फिर मैनूं ओ बहुत याद आये ने,
सजना वे रो-रो असां नैण गवायें ने।

नित दे ख्याला च वसे तस्वीर तेरी,
रास ना आई सानूं, कीती तदबीर मेरी,
कीते होये वादे तुसां, गैरां नाल निभाये ने।।

खोरे केहड़ी गल्लों तुस्सी, दूर साथों होये ओ,
पुछेया ना हाल कदे, जीऊंदे ओ या मोये ओ,
रकीबा दे इल्जाम तुसां, साड़े ऊते लाये ने।।

ग़मा दीयां गंडां साड़े, दिल ते ने बजीयाँ,
तबीबां नूं वी साड़ीयां, बीमारीयां ना लभीयां,
लेखा च विछोड़े असां, धुर तो लिखाये ने।।

मैनूं उडीक सी तेरी, मौत तक आण दी,
अर्थी दे कफ़न, कबर तक जाण दी,
'दर्शन ने सितम तेरे, लोका तो छुपाये ने।।

घुट्ट पाणी पिला दे नी

घुट्ट पाणी पिला दे नी तैनूं वास्ता प्यार दा,
साडी प्यास बुझा दे नी, सुण तरला बीमार दा।

दुख मैनूं होर नहीं दुख करार दा,
दीद मेरे वाली कोई नहीं जाणदा,
घुंड मुँह तों लाह दे नी।

मैं तां भुक्खा हां तेरे दीदार दा,
मैं तां मंगता हां तेरे दरबार दा,
हुक्म शहनशाही चलदा ए, लोको मेरी सरकार दा।

प्रीत अवलड़ी रब्बा पूरी करदे,
प्रीत असां लाई तेरे आसरे,
''दर्शन'' पांदा हाड़े नी, नाले अर्ज़ गुज़ारदा।

नदियों पार मेरे माही दा डेरा

नदियों पार मेरे माही दा डेरा,
लै चल नदियों पार वे अड़िया,
माही समझे ना झूठा प्यार वे मेरा।

नांह नां मैनूं पावीं वे,
पुच्छी ना तूं कित्थे जाणा,
सुण वे तूं मिट्टी देया घड़ेया, लै चल नदियों...

दस्सेया नहीं मैनू थां ते टिकाणा,
मैनूं सिरफ ऐन्ना पता ए,
असां मुड़ पत्तनां नूं नहीं आणा।

घड़ाः पुट्टिया मैनूं कहीआं दे नाल,
फिर सोहणीए बोरियां च लद्देया,
सोटीयां दी मार खादगी,
मैनूं बूरा करके छड्डिया,
फिर पानी विच भिज्जेया,
कई राती पाले ठरेया,
फिर मैनूं घुमियारे घड़िया,
अग्ग दे आवे विच कई बारी सड़ेया,
नांह ते मैं वी नहीं करदा,
लै चल्लुं नदीयों पार वे सोहणिए।

प्यार तूं कीता हुंदा पता तैंनू लगदा,
तूं की जाणे घड़िया विछोड़ा ए जुदाई दा,
मैनूं अग्गों ना पुच्छीं सवाल, लै चल.....

की की दुख तैनूं दस्सां वे घड़ेया,
माही दे बगैर दिल मेरा नइयों लगेया।

लाह देवां उलाहमां तेरा,
यकीन कर लै सोहणिये,
एह किहड़ी गल जेहड़ी,
औखी ए विआहुणी नी,
लै चल्लां पार कदों कीता इंकार नी।

दिल मेरे ज़िद कीती माही कोल जाण दी,
सारी उभर न भुलांगी तेरा एहसान नी,
मैनूं लै चल नदियों पार,
''दर्शन'' जित्थे माही दा डेरा

चुक्क लै सोहणीए मैनूं कुछड़,
मैं वी ते नहीं रेहा मुकर,
मैनूं ला लै नी अपने सीने दे नाल,
नांह नईयों करदा मैं कीता ए करार नी.....

सीने नाल तैनूं लावां मैं तां पार जाणा ई,
वे मैं तैनूं समझावां रांझण पास जाणा ई,
सुण वे तूं मिट्टी देया घड़ेया.....

असां रोग लगा नी लेया

असां रोग लगा नी लेया,
तेरे नाल प्यार करके,
अज ठंडी ठंडी लगदी हवा,
साडा भैड़ा दिल धड़के।

किस बैरन ने मेरा माही,
किते राह विच रोक लेया,
दिल लैण लग्गा लंमे लंमे साह।

अज आजा माही साडे वेहड़े तूं,
साडा की ए दोस दस्स मैनूं तूं,
केहड़ी गल्लों दूर नी गेया।

तेरा करार साडे तक आण दा,
चढ़ गया सोहणेया महीना सौण दा,
मैनूं मिट्ठा मिट्ठा ताप चढ़ गया।

"दर्शन" खुदा दुनियां दा वाली,
रब्ब दा बंदा रब्ब दा सवाली,
मैनूं मिल तबीब गया।

नीद टुट गई ख्याल तेरा आके

नींद टुट गई ख्याल तेरा आके,
केहड़ी गल्लों माही रुसेया।

नित दीआं उड़ीकां च ना मुक्कीयां आसां,
पतझड़ हरेओ न सौण बरसातां,
अक्खां रोंदीयां यादां नू गल ला के।

टुटे असमानों तारे जिवे धरती ते डिगदे,
मेरे वागूं कख बण मिट्टी च ने रुलदे,
ख्याल औदे ने दिल खोह पाके।

यादां दे पल्लंघां ते उठदीयां उम्मीदां ने,
ना सौंदे ने चाअ मेरे ना सौंदीयां रीझां ने,
दीवे बुझ गये तांघां नूं जगा के।

चन्न नालों सोहणे तारे काली रात च लगदे,
झूठे दिलासे माही तैनूं नइयों फबदे,
हुण रोनीआं "दर्शन" नेओं ला के।

देवां की मिसाल

देवां की मिसाल तेरा हुस्न बेमिसाल ए,
रब्ब दी सोच दा ए कुदरती कमाल ए।

मुख ते सवेर जिवें पुनेया दी रात ए,
होंठा दी लाली जीवें पत्तीयां गुलाब ए,
नैणां दी खुमारी जिवें पीता आबे हयात ए।

उठदा ए शबाब इंज जिवें चढ़दा आफताब ए,
गेसू तेरे काले जिवें मसेया दी रात ए,
तकणा निगाहां दा ठंडक माहताब ए।

हासा तेरा इंज जिवें चंबे दा निखार ए,
तोर तेरी इंज जिवें गज़ली अलफाज़ ए,
''दर्शन'' दी तरीफ दा रब्बी ख्याल ए।

एह तन मिट्टी दा लोको

एह तन मिट्टी दा लोको जाणां मिट्टी विच मिल,
जप लओ हरी दा नाम जिसदा कोई नहीं जे मुल्ल,
ओहदा मुल्ल दरगाहे पै गया जपिया जिस हरी हरी।।
हरी ओम हरी, जप हरी ओम हरी।।

मन वे तूं कर लै किसे नाल प्यार,
मन तेरे वस दी है तेरी सरकार,
रब्ब टैक्स दिल ते ला गया, जप लै हरी हरी।।

मन मन लेया ए तैनूं रब्ब वे,
ओस दे बगैर नहींयों जीन दा चज्ज वे,
मन मन हबीब लिया, जप लै हरी हरी।।

मन मेरे माया झूठे विकारां दी,
मन वाला सुन लेया ओस हाड़ा सी,
दित्ते ओस ने मुर्दे जगा, मुखों कह के हरी हरी।।

जिस दे मन नहीं मान भगवान दा,
ओहनूं कोई नहीं दुनियां च जाणदा,
ओहनूं जान तूं मन मेरेया,
तूं वी कह लै हरी हरी।।

'दर्शन' दे मन है मान इन्सान दा,
हिन्दु इसाई सिख मुस्लमान दा,
हुक्म चलदा हाई कमान दा,
मन तूं कर लै हरी हरी।।

'दर्शन' आखे प्यार दे नाल,
तन मन रंग लओ नाम दे नाल,
असां औणा ए कदे कदे,
तूं वी जप लै हरी हरी।।

ओह वेला नहीं औणा हथ,
सुणेया जुदाईयां दे बड़े ने दुख,
असां तीर जुदाईयां खा लेया,
दर्शन तेरे वादे पिछे।।

जेहड़ी घड़ी लंघ जावे सुखां दी सुलखणी,
ओह गल्ल यार दे घर विच फबणी,
मुड़ लभणा नहीं एह वेला,
वे तूं वी कर लै हरी हरी।।

लड़ तेरे लग गई लड़ांगी जरूर वे,
मेरी जुबान उत्ते तेरा ही सरूर वे,
वसे दिल विच दर्शन नाहीं दूर,
दम दम जप लै हरी हरी।।

नी ओह नानकी दा वीर

नी ओह नानकी दा वीर,
लिखे दुनियां दी तकदीर,
जापे रब्ब दी तस्वीर,
आया विच ननकाणे, नी ओह नानकी दा वीर।।

मात त्रिपता दी अख दा तारा,
कालू जी दा राज दुलारा,
भैण नानकी दा वीर प्यारा, आया विच ननकाणे।।

भैण नानकी अर्ज़ गुज़ारे,
ना मार मेरे बाबुल प्यारे,
एह तां रूप है करतार, आया विच ननकाणे।।

लोको वे इक फकीर आया,
सतिनाम दा ओस चक्कर चलाया,
विच स्कूले पांधा पढ़ाया, आया विच ननकाणे।।

'दर्शन' सच्चा भैण दा प्यार,
जिसनूं मंनदा सारा संसार,
एह तां सच्ची है मिसाल, आया विच ननकाणे।।

हुण आजा बाजां वालेया

तैनूं किवें मैं भुल्ल जावां दाता,
ओ बाजां वालेया,
तैनूं की की दुख मैं सुणावां,
दाता ओ बाजां वालेया।।

तेरे उत्ते ताण वे तेरे उत्ते माण वे,
करां तरले मिनतां सुन सुल्तान वे,
आजा हुण बाजां वालेया।।

तेरे एह प्यारे भुखे तेरे दीदार दे,
दिन रात तैनूं ए आवाजां मारदे,
दुख कट दे खुशीयां वरतादे,
अपणे प्यारेयां नूं चरणां च थां दे,
आजा हुण बाजां वालेया।।

सुणेया तूं वाली सारे जग दा,
तेरे द्वारे उत्तों सब कुझ लभदा,
तैथों सच्चा प्यार मैं मंगदा,
नाम दे रंग विच मैनूं रंग लै,
आजा हुण बाजां वालेया।।

दिल विच ठिकाणा तेरा अखां च मुकाम है,
लबां ते नाम तेरा साहवां च पुकार है,
तेरे आण दी दाता सानूं इंतज़ार ए,
'दर्शन' निमाणे उत्ते हो जा मेहरबान वे,
आजा हुण बाजां वालेया।।

सुणेया मैं शहर वलैत

सुणेया मैं शहर वलैत,
देखेया मैं शहर वलैत,
ओथे वसदे लोक सफैद,
न मुहब्बत न दिल विच प्यार,
शहर वलैत दे विच।।

मनी माईन्ड दे ओथे वसदे लोक,
न कोई हिरख न कोई सोग,
असां अखीं वेख लेया,
शहर वलैत दे विच।।

लड़दे सभे छोटे वड्डे,
हर कोई पैसे बटुए च रखे,
कोई खांदा नहीं किसे दा वसाह,
शहर वलैत दे विच।।

ओथे किसे दी न सुणदा कोई गल्ल,
हर कोई अपणे ख्यालां च मस्त,
मैं बिट बिट तकदा रह गया,
शहर वलैत दे विच।।

शहर वलैत च सोने दा वपार,
करदे रहन्दे मन ओह तकरार,
अज भा क्यों डिग गया,
शहर वलैत दे विच।।

शहर वलैत दी बल्ले ओ बल्ले,
हर कोई आखे घरों असीं चल्ले,
वड्डे छोटे भैड़ी लग गई हवा,
शहर वलैत दे विच।।

'दर्शन' दे दिल विच पक्का ख्याल सी,
उसनूं वी लग गई वलैत दी हवा सी,
सारा जग फिरे एही आखदा,
शहर वलैत दे विच।।

हिजरां दी बीमार रूह

जिस वल वेखां ओह मेरी बीमार सी,
वैदां हकीमां नूं न कोई लभेया इलाज सी,
हर दिल दीवाना हो गया,
लोको वे मेरे शहर दे विच।।

शहर मेरे दे खुल्ले ख्याल,
होवे जित्थे शरेआम सच्चा वपार,
असां ओथे हट्टी लई ए पा, शहर मुरीदां दे।।

रात दिन मैं सोचां सोचां,
लोकां पाईयां ए मैनूं वोटां,
मैं जितदी जितदी हार गई,
विच शहर अपने दे।।

मैं दुखियारी दुखां दी मारी,
छड्ड गये मैनूं हुस्नां दे वपारी,
वे मैं विकी न कौडीआं दे भाअ,
विच शहर अपने दे।।

शेयर: असां तां सुणेयां हुसन वालेयां
दे शहरे बाहर वपारी,
मैं तां विक गई गली गली विच,
मिलेया न कोई वपारी,
मैं तेरे दुखां दी मारी।।

'दर्शन' दे विचार विच सी विचार,
ओस दा ख्याल पूरा सी रब्ब दा ख्याल,
आपे डाक्टर बीमार हो गया,
विच शहर अपने दे।।

शेयरः कासिद दे हथ घल्ले कई सुनेहे,
आ के तूं पुछ जा हाल बीमारां।।

हौली हौली खत लिख असां कई पाड़े वे,
शायद कोई सुनेहा मैनूं माही वल्लों आवे वे,
कि तैनूं ओस ने बुलावा भेजेया,
शहर विच अपने दे।।

इक रात विच आया ख्याल सी,
वेख लेया कोई मैं सुपने च बीमार सी,
हुण आवे तबीबा जा,
विच शहर अपने दे।।

आ के डाकीया खत मैनूं दे गया,
पढ़ण वास्ते जद मैं खोलेया,
विच लिखेया सी कोई सुनेहा,
कि आजा घर 'दर्शन' दे।।

गीत गाणगे सदा मेरे दीवाने,
शहर अपणे जा देस बेगाने,
'दर्शन' बन अफसाना गया,
विच शहर अपने दे।।

शायर पढ़णगे मेरा कलाम,
मुंह विच उंगलां पा होणगे हैरान,
'दर्शन' लिख की कमाल गया,
विच शायरी अपणी दे।।

शहर तेरे दे चार चुफेरे,
तोड़ दीवार दित्ती प्यार मेरे,
'दर्शन' लंघ कोई होर गया,
ख्याल विच मेरे दे।।

शहर यार दे सोहणे नज़ारे,
सोहणी प्यार नूं वाजां मारे,
वे मैं रुड़दी सजणां जां,
विच दरयावां दे।।

शहर मेरे दी शोभा सोहणी सी,
बीमार प्यार दी सच्ची कहानी सी,
'दर्शन' आपे बीमार हो गया,
विच शहर अपने दे।।

मैं तेरी हीर बालमां

मैं तेरी हीर बालमां,
वे तेरी फकीर बालमां,
वे तूं मन जा जालमां,
छड्ड अड़ीयां तूं ना तड़फा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

तेरे नालों चंगा मैनूं कोई नहींयों होर,
असां प्रीत पा लई ए वांग चकोर,
चन्न चढ़े मैं कूकदीआं,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

जित्थे जित्थे तक्केया मैं तैनूं पाया,
अखीयां दे राही तैनूं दिल च वसाया,
आके दिल मेरे विच बैह जा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

मैं तेरे गौण गावां संग सखीयां,
रुस्स गये ने चाअ थक गईयां ने खुशीयां,
रो रो अखीयां चों पाणी मुक्केया,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

तेरे सितम असां झल्ले ने बथेरे,
जोर वी न रह गया हुण तन मेरे,
अंग अंग ए तराटां मारदा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

मैनूं रोणगे अपणे बेगाने,
धांवां मारणगे मेरे दीवाने,
वैरी रोणगे नाले मित्तरा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

भरी जवानी असां जाणा ए तुर,
छोटी उमरे लेया असां झुर,
करदे आस तूं पूरी मित्तरा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

दिल नाल मंनीयां असां तेरीयां तामीरां,
इश्क तेरे च जिंद कीती लीरां लीरां,
तूं ही ओट 'दर्शन' दा है आसरा,
वे सोहणेया तेरी खैर होवे।।

भीलणी दी आवाज

नींद आ गई यार दी दीद वाली,
शायद सुपने च यार आवे,
दिल विच उमीद ते तांघ हैसी,
आवे यार भव सागरे पार लावे।।

मेरी कलम दे लिखे की लेख लोको,
लेख लिख न कोई वी होर सके,
ओहदा इस जहान दे विच की रहणा,
'दर्शन' यार न जिहनूं इक वार मिले,
नींद आ गई.....

मेरे महबूब दा बुतखाना,
रंग काला ते चाल मस्तानी,
'दर्शन' ओस जेहा न कोई होर,
जिसदी मुरीद ए दुनियां दीवानी,
नींद आ गई.....

यार मिले तां कर लवां सलाहवां,
रातां दुखां दीयां निकलण हावां,
करां मिनतां ते तरले मैं पावां,
कि फेर मौका मिले न मिले,
नींद आ गई.....

यार दी बेरी दे बेर बड़े मिट्ठे,
बेरी मेरे यार दे घर दे है पिछे,
बेर तोड़दीआं कंडा चुभ्भ गया,
कि फेर मौका मिले न मिले,
नींद आ गई.....

बेरां दे पिछे असीं खाधे कई झिड़के,
खाके गुस्सा यार आया मैथों चिड़के,
सानूं अपणी बणा नी गया,
यार मेरा बेरां दे पिछे,
नींद आ गई .....

यार मेरे दी एहो निशानी,
काला रंग अते शकल नूरानी,
'दर्शन' राम बण मिल ओह गया,
बहाना कर बेरां दे पिछे,
नींद आ गई .....

काला रंग मैनूं डस नी गया,
सईयो नी काले नाग दी तरां,
गन्ना जूठा ओस चूस लेया,
सईयो नी मेरे प्यार वाला,
नींद आ गई .....

अंग अंग दे विच पैंण तराटां,
वड वड खांदीयां कालीयां रातां,
चन्न चंदरा अज छुप ए गया,
सईयो नी काले बदलां पिछे,
नींद आ गई .....

कर लई तयारी असां माही कोल जाण दी,
शायद कोई लभ गई ओहनूं मेरे हाण दी,
असां दिल ते पत्थर रख लेया,
माही वे तेरी खशी दे पिछे,
नींद आ गई.....

आके सुणा जावीं मुरली दी तान वे,
जित्थे तूं न होवें दस्स केहड़ी ओह थां वे,
माही तुर परदेस गया,
नी खौरे केहड़ी गल्ल दे पिछे,
नींद आ गई .....

गोरे रंग दा बड़ा नी पुवाड़ा,
मिलेगा जन्म जेकर दुबारा,
काला रंग रब्ब तों मंग लवां,
'दर्शन' वे तेरे प्यार दे पिछे,
नींद आ गई .....

शेयर

वे रब्बा जीहदा यार न होवे,
विच दुनियां दे जीऊण दा की चज्ज,
साडा यार तूं साडे वल्ल करदे,
सुण सोहणेया साडी एह गल्ल।

न मेले लगदे न मिलदे यार,
न कोई सोहणी हुंदी
न कोई बणदा महीवाल,
न कोई रांझा बणदा
जेकर हुंदी न हीर सयाल,
लैला लैला करदा न मजनूं मरदा
न शीरी पिछे फरहाद।

सस्सी पुन्नू दे किस्से न गौंदा कोई,
जे विछड़दे न ओह यार,
न याद औंदे न असीं तरसदे,
जे 'दर्शन' हुंदा साडा वी कोई यार।

नारद ते माता रुकमणी दे सवाल जवाब

नारद कीता आण प्रणाम,
कित्थे मेरे कृष्ण भगवान्?
रुकमणी: नन्द जी ने सद्दा भेजया,
आ के गोकुल बेटा मिल जा,
मात यशोदा ए याद करदी,
आखे रुकमण नारद जी।
नारद: माता हरी हरी, माता फिकर न करीं,
गोकुल गल्ल कोई होर,
नी ओह नन्द किशोर,
राधा पाई प्यार दी डोर,
मचेया गोकुल दे विच शोर,
राधा संग प्रीत मुरारी,
मैया बड़ी ए पुराणी।
रुकमणी: गल्ल सुण नारद, रुकमण आखे,
जा वे दो जहां दे झूठे,
तेरे दिल विच वसदा कोई चोर,
आखे रुकमण नारद जी।
नारद अपणी नाद वजाई,
माता कोलों भुल्ल बख्शाई,
मेरी गल्ल ते करना गौर,
आखे नारद माता जी।

रुकमणी गुस्से विच आके दरबान नूं आवाज मारदी है।

रुकमणी: आवाज मार दरबान बुलाया,
ओहनूं फेर ओस हुकम सुणाया,
जाओ सद्द लिआवो नन्द किशोर,
जाके गोकुल तों जी।

दरबान दा गोकुल जाके कृष्ण महाराज जी नूं संदश देणा।

सुणो मेरे भगवान माता रुकमण दा फर्मान,
तुहानूं कीता ओहनां याद, तुसी चल्लो मेरे साथ,
माता भेजेया मैनूं आप, आखे शीश निवा के।

कृष्ण जी: जाके माता नूं देनां बोल,
रहनां गोकुल असां होर,
दिल करेगा आवांगे आप,
आखे कृष्ण मुरारी।

दरबान दा वापस आके सुनेहा देणा

ए कीता माता नूं आण प्रणाम,
मेरे साथ नहीं आए भगवान,
ओह करना चाहुंदे होर विशराम,
माता विच गोकुल दे।

माता रुकमण दे दिल विच शक हो गया
माता दे दिल विच पै गया शक,
जे 'दर्शन' लिख दे लोको सच,
प्यार राधा संग मुरारी,
संग मुरारी राधा प्यारी।

रुकमणी दा राधा नाल झगड़ा करना

(कृष्ण महाराज जी नूं तोलणा)
सुन लै राधा एह मेरा साई,
वेखीं नीं तूं प्रीत न पाई,
हक रखण ते लै तूं तोल,
रुकमण बोले कौड़े बोल।

राधा दा रुकमण नूं कहणा

राधा आखे रुकमण सुण,
विच तकड़ी मैं देवां तोल,
मिल जावे जे जिन्द दे मोल,
नी मेरा कृष्ण मुरारी।

जवाब रुकमण दा

रुकमण ने मारे ताहने राधा,
प्यार जे सच्चा तोल लै हां,
विच तकड़ी कृष्ण बिठासां,
दूजे पासे देवां माया तोल।

रुकमण नूं राधा दा आखणा

रुकमण माया संग न तोल,
प्यार नहीं मिलदा किसे वी मोल,
राधा आखे मिट्ठे बोल,
नी सुण रुकमण प्यारी।
धन दौलतां हीरे जवाहर,
रुकमण रखे बेशुमार,
तुल न सकेया सच्चा प्यार,
'दर्शन' बैठ गये कृष्ण मुरार।
'दर्शन' प्यार दे कीते कौल,
तुलसी पत्ते संग राधा लेया तोल,
लिख नाम ओस कृष्ण मुरारी,
प्यार जित्तेया ते माया हारी,
जिस राधा प्यारी अज्ज संग मुरारी।

वे मैं तेरीयां तेरीयां

शेयरः आजा सजणा ततड़ी दे वेहड़े,
टुट न जाण प्रीतां मेरीयां,
तेरे बाझों दुख ने वधेरे सुण परदेसीया।
गैरां तों मंगणा की सी मैं,
वे मैं की आखां,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

पिया प्यारी प्यासी वे सजणा,
दिल मेरे आस लग्गी तेरी आ,
मैनूं तूं आखदे इक वारी अपनी, वे मैं आखां,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

लोकां दे चारी मैं गम दी मारी,
मैं गुम हो गई तेरे ख्याले,
गुस्से गिले छड सारे आजा, ततड़ी दे वेहड़े,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

लोकां भुलेवें मैं तेरी नहीं,
मैं सां भुलेवें तूं मेरा नहीं,
पर फिर वी तैनूं दस्सनीआं वे सजणा,
तूं होर नहीं मैं होर नहीं,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

शेयर: वेखे मैं लोक पिछे वादेयां दे मरदे,
दरयावां च रुड़दे ते थल्लां च सड़दे,
खल्लां लुहांदे ते सूलीयां ते चढ़दे,
ओह फिर वी नहीं मुड़दे
आखणों वे सजणा,

लोकां वल्ल वेख के असां वी प्यार कीता,
हर जन्म मिलण दा कौल ते करार कीता,
वे मैं आखां तूं बण जा मेरा,
तेरे बाझों कौंण ए मेरा,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

शेयर: आरेयां नाल चीरे जांदे,
ते चरखड़ीयां ते चढ़दे,
उबलदीयां देगां च बैंहदे,
ते अग्गां च सड़दे,
ऐसा प्रेम ततड़ा वे सजणा,
प्यार वाले कज़ा तों नहीं डरदे।

'दर्शन' नज़ारा बहिशतीं डिट्ठा,
नाम पीया पीया जपके,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

मैं निमाणी दा दस्स थां वे केहड़ा,
वेहड़ा छड्डां ते मल्ल लां बनेरा,
राहीयां जांदेयां नूं पुछां हाल तेरा,
तेरे बाझों वे कोई नहींयो मेरा,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

शेयरः वे सजणा साडी प्रीत नहींयों माड़ी,
वजदी नहींयों कदे इक हत्थ ताड़ी।

दिल दीयां गल्लां असीं दिल नाल करीए,
लोकां कोलों नहीं डरदे पर तेरे कोलों डरीए,
हुण दम दा कोई नहीं वसाह,
वे मैं तेरीयां तेरीयां वे मैं तेरीयां तेरीयां।

घल्ले असीं कई तेरे वल्ल डाकीए

शेयर: मारदे नें ताहने मैनूं तेरे लोक वे,
लग गई ए अख मेरी सहज सभोक वे,
मैं तां वांग पुन्नू दी सस्सी आं,
वेखीआं थल्लां च रोंदीआ।

घल्ले असीं कई तेरे वल्ल डाकीए,
आजा होईए इक असीं वखरे न जापीए,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

तारेयां दी लो थल्ले असां लिखीयां ने चिट्ठीयां,
तेरे बगैर जो जो साडे नाल बीतीयां,
आजा गल लग लईए रो, तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

शेयर: बुझ गये ने दीवे बुझ गईयां ने खित्तीयां,
सवेर दीयां तांघां दिल मेरे ने कीतीयां,
अजे कुक्कड़ां बांगां नहीं दित्तीयां,
साहमणे तूं आके खलो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

तेरे वाला मिल गया लिखेया होया खत वे,
दम दम लूं लूं तेरा नाम रेहा जप वे,
लै अपणी माला च पिरो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

हिजर तेरे दी मारी मैं अैवें न मर जां,
प्यार दी दीवानी ते एहसान कोई कर जा,
आजा कर लईये गल्लां दो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

अखीयां दा तारा तैनूं मन्नेया वे सोहणेया,
रिश्मां खिलारदा ए दिल मनमोहणेया,
तेरा मुख जिवें चन्न वाली लो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

औखा लंघदा ए वक्त वख तैथों हो के,
उमर सारी बीत गई ए वेखेया नहीं सौं के,
मिले गोद तेरी लवां सौं,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

आखदे ने लोक प्यार हुंदा पहलां पक्का नहीं,
तूं वी मैनूं मारी ना अपने वल्लों धक्का ई,
प्यार ए भुख पैंदी ए खोह,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

बंन मारेया सी मैनूं तेरेयां करारां ने,
चिट्ठीयां दे राहीं असीं कीतीयां पुकारां वे,
वेखां राह तेरा बूहे च खलो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

बेदर्दा वे तूं कद आवेंगा वतनीं,
दिल विच असां ने गल्ल कोई नहीं रखणी,
रखीयां ने दिल च जो समो,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

बेकदरां दी यारी नालों चंगा कज़ा चुम्म लैणा,
मेरीयां वफावां नूं जाणदा 'दर्शन' एह सारा जमाना,
बिन तेरे मेरा होर नाहीं को,
तूं दीपक ते मैं तेरी लो।

मोड़ लै मुहारां शाला

मोड़ लै मुहारां शाला जिंद मेरी कल्ली आ,
लम्मीआं जुदाईयां च उमर बीत चल्ली आ।

सुणेआ मुहब्बतां दे वखरे रिवाज़ ने,
कंडेआं च खिलदे ने फुल्ल गुलाब दे,
पत्ती पत्ती होके माहीआ प्रीत सुक्क चल्ली आ।

रुस्स गये ने चाअ साथों रुस्स गईयां रीझां ने,
कीतीआं दुआवां साडे हक्क च रकीबां ने,
हंझुआं दे राहीं वे माहीआ याद खुर चल्ली आ।

अखीयां नूं चुभदी ए चन्न वाली चांनणी,
शायद तैनूं लभ गई ए कोई साडे हाण दी,
'दर्शन' दी हर रात मस्सेआ ने मल्ली आ।

हम से न तुम सनम लड़ेया करो

हम से न तुम सनम लड़ेया करो,
हम तुम से प्यार करते हैं।

वो आकर बैठ जाते थे घुटनों पे हाथ रख कर,
न हम से खफ़ा होकर न तुम लड़ो,
जो करते हैं सलूक गैरों से वो मेरे से न करो।

था गुस्सा इस लिए सिर्फ मुझ पर,
न तुम इतनी देर से घर आया करो।
देख कर रूप वो घबरा जाते थे,
फिर वो कहते मुझको कि बाबा मुझे माफ करो।
न करो तुम मुझसे बेसमझी की बातें,
हम तो तुम से झूठी मूठी लड़ते थे।

नी माही मेरा चन्न वरगा

नी माही मेरा चन्न वरगा,
सोहणा तुर गया नाल रकीबां,
नी माही मेरा रुस्स नी गया,
सोहणे मिलदे ने नाल नसीबां।

चल्लो नीं कुड़ीओ मनाईए सावें,
ऐस बहाने शायद माही आ जावे,
पींघ प्यार वाली मरी चढ़ जावे।

माही दे औंण दीयां औंसीआं पांवां,
साडे दिल विचों निकलण हावां,
सोहणा तुर परदेस नी गया।

आके मैनूं दे जा दीदार वे,
तेरे नाल मैनूं होया प्यार वे,
कोठे चढ़ के मैं 'दर्शन' तक्कां राह।

ओहदा लक्ख वारी शगन मनावां

ओहदा लक्ख वारी शगन मनावां,
जेहड़ा मेरा माही मेल दे,
नी मैं घेओ शक्कर खिलावां,
जेहड़ा मेरा माही मेल दे।

मिल जावे माही किसे वी मुल्ल वे,
दे के मैं जिन्द लवां खरीद वे,
जे ओहदा मुल्ल पै गया।

माही तुर गया छड परदेस,
सुत्ती मैं रह गई पलंघ दी सेज,
नींद वैरण ने लुट्ट नी लेया।

रब्बा तूं लिख दे मेरा नसीब वे,
माही बण गया मेरा सी रकीब वे,
'दर्शन' बन हबीब गया।

वो प्यार भरे सपने

वो प्यार भरे सपने कहीं टूट न जायें,
काश हम डरते हैं कहीं वो रूठ न जायें।

वक्त एक ऐसा था वो आगे कूचे में,
यह सितम दिल में है वो वापिस मुड़ न जायें,
तमन्ना यह दिल में है कैसे उनको मनायें।

या कसम ईलाही की कोई खता तो नहीं की,
कीया है प्यार हमने दिल्लगी तो नहीं की,
मुझे भूल जाने वाले मेरी याद तुझे सताये।

शेयरः वो गुस्सा भी करते और प्यार भी,
खूबी उनकी नहीं ये आदत थी,
नखरा नाज़नीनों से,
कभी कमज़ोर कभी मर्दो जैसे।

वो आकर बैठ गये मेरे सामने,
मेरे सनम कुछ उदास से,
हम भी घबरा गये, पूछ बैठे कोई बात करो,
मुस्कुरा कर कहते वो तुम कुछ कहो,
कुछ देर चुप रहने के बाद फिर हमने करवट ली,
उन्होने गुस्से में कहा तुमने सोना है तो सो जाओ,
हर वक्त थके से रहते हो।

याद मैनूं औंण वालेया

याद मैनूं औंण वालेया तैनूं याद मेरी सतावे,
मैनूं भुल्ल जाण वालेया तैनूं चैन जरा न आवे।

असां वेख लये तेरे वादे ते करार,
झूठे ने वादे तेरे झूठा ए प्यार,
गम मैनूं देण वालेया तैनूं खुशी जरा न आवे।

तोड़ निभाण दीआं जो खादीआं सी कसमां,
टुट्टीआं न तैथों ओह जमाने दीआं रसमां,
बेवफाई देण वालेया तैनूं रास वफा न आवे।

रब्ब करे जे तूं वी करें किसे नाल प्यार,
ओह वी न करे सोहणेया कदे तेरा ऐतबार,
मैनूं छड जाण वालेया तैनूं छड के ओह तुर जावे।

भरदा ए दिल हौके मैनूं करदा सवाल ए,
ऐत्थे हारदीआं प्रीतां ते जितदे रिवाज़ ने,
हंझू मैनूं देण वालेया 'दर्शन' रोवे न चुप कोई करावे।

मेरे दिल दे अन्दर नाद वजे

मेरे दिल दे अन्दर नाद वजे,
हरदम तूँ ही तूँ ही।।

मेहरां वी तूं करदा, टुटीयां वी तूँ गंडदा,
तूँ ही आसरा ए, तूं ही सहारा सब दा,
टुटीयां गंड दे ते दया दा दान दे।।

तेरी मंगती खैर तैत्थों मंगदी,
पीड़ा प्रीत दीयां, हरदम जर्दी,
चुक पर्दा ते जलवा दिखाल दे।।

सह सह के पीड़ा तेरीयां वे सोहणेया,
साह चंद मेरे रह गए ने सोहणेया,
सच आखां मैं खुशीयां विखाल दे।।

दम दम लूँ लूँ मेरा जपे नाम तेरा,
नाम दी जोत जगादे, करदे दूर हनेरा,
हऊं तैत्थों कुर्बान 'दर्शन' दीदार दे।।

मन रे तूँ चल जहां से

मन रे तूँ चल जहां से,
यहां तेरा कोई नहीं हैं।
जिसको तूँ समझे अपना,
वो तेरे मीत नहीं हैं।

दिल का तोड़ना जग की रीत यही है,
जिस संग प्रीत तेरी, वो तेरे नसीब नहीं है,
दिल के हाथों तू मजबूर नहीं है।।

चुप चाप खेली जा खेल अपने प्यार के,
करते हैं जो प्यार वो कभी नहीं हारते,
इश्क का दस्तूर यही है।।

क्या हुआ ऐसा कि याद न हम आ सके,
मुंह फेरने वाले अब बात करने को तू तरसे,
फिर मिले नज़दीकियां वो समय दूर है।।

उनकी मगरुरीयों ने बढ़ा दी इतनी दूरी,
बात मेरे दिल की दिल में रह गई अधूरी,
वो वफा न कर सके 'दर्शन' यह उनका
कसूर था।।

लोको सुणो इक होर कहानी

वे लोको सुणो इक होर कहानी,
उसदे गल विच सोने दी गानी,
नूर मत्थे ते चमकदा नी ओह कृष्ण मुरारी।

गल विच गानी अख मस्तानी,
सारी कायेनात उसदी दीवानी,
विच गोकुल दे आ नी गया नी ओह .....

गुणी ज्ञानी सईयो घनश्याम,
पल पल खेड़े लीला बेशुमार,
गल्ल मेरे नाल की कर ओह गया नी ओह .....

अज्ज वाला खेल ओस,
खेडेया न कदे सी,
जद वी मिले ओह हर वेले नवें सी,
हर वारी रूप वटा ए लेया नी ओह .....

मुरली दी तान नाल गऊआं चरांवदा,
हौली हौली मिट्ठा मिट्ठा मैनूं समझांवदा,
'दर्शन' रोंदा रोंदा चुप हो गया।

पींघ प्यार वाली

पींघ प्यार वाली असां लई पा,
आजा माही पिपलां दी छावें,
कोई गल्ल अड़ेया कर जा,
आ गये माही तीए दे सावे।

तेरीयां उडीकां विच रुस्स गये चाअ वे,
मेरे जेहीयां लखां तैनूं मेरी की परवाह वे,
माही आके तूं मुख दिखला जा।

दिल मेरा आखदा तूं आवेंगा जरूर वे,
कुट कुट रखे माही तेरे लई चूरमे,
आके सोहणेया तूं लवीं खा।

सौण दा महीना बदल पवे किण मिण वे,
दिन रात कट्टां दुखां दे गिण गिण के,
हुण छुट्टी लैके तूं घर आ।

तेरे बाझों चन्ना मेरी पींघ नहीं चढ़दी,
याद तेरी विच मैं तां हर वेले मरदी,
दे दे झूटा ते पींघ चढ़ा।

'दर्शन' तूं जाणदा ए पींघ मेरे प्यार दी,
मैं तां बीमार हां तेरे दीदार दी,
मैनूं आके तूं गल नाल ला।

औंसीयां पावां मैं तेरीयां,

औंसीयां पावां मैं तेरीयां,
याद औंदीयां ने गल्लां तेरीयां,
माही मुड़ वतनी वतनां देया वालीया।

वादे निभाण दे जो कीते करार सी,
अखीयां मेरीयां नूं तेरा इंतज़ार सी,
क्यों छड्ड के तूं तुर गेयों वतनीं।

बाज औकात तेरी याद सतांदी है,
बज़्म तेरी मैनूं फिर याद आंदी है,
दिल रब्ब अग्गे करे पुकार।

इक वेला सी कदे हुंदे नहीं सी जुदा,
कज़ा दी न करदे सी कदे परवाह,
भावें वगदा झनाअ होवे।

विच मुफलिसी कोई नहींयों मेरा,
भुक्खा दीद दा दिल तरसदा मेरा,
होईयां मुद्दतां देखे मुख तेरा।

वेख लई खुदाई सारी है खुदा दी मारी,
हर दे हथ विच ए गुनाह दी पटारी,
मैं 'दर्शन' हां प्यार दी मारी।

रब्ब का इश्क

रब्ब का इश्क हाज़िरनाये महबूब है,
महबूब है हू ब हू हैं।

जलवा है हुस्न का महफिले हजूर है,
रब्ब वसदा ए सबना दे विच,
क्यों लभदे ओ बेलीं ओह ते हादरा हदूर ए।

लोक पुछदे ने अखां मेरे लाल दीयां,
क्यों होईयां लाल चूर ए,
खुमारी चढ़े नशा प्रीत वाला,
पढ़ेया लोकी किताबे जरूर ए।

अखां लाके लाल असां कीतीयां जरूर है,
'दर्शन' मन लवेगा भाणा तेरा मित्तरा,
अग्गों जो देवेंगा सोई मंजूर है।

इक दर्द विछोड़े दा

इक दर्द विछोड़े दा दूजी तांघ मिलण दी,
तीजी दीद तेरे आवण दी।

पज्ज कर कर रोवां वे रब्बा,
विछुड़े न यार किसे दा,
'दर्शन' माही तैनूं तां मिलणा,
जेकर तोड़े चढ़ावें मुहब्बतां।

मुर्शिद दा लड़ फड़ लै,
जे दीदार किसे दा करना ई,
ओस दिल विच नहींयों रब्ब रैहंदा,
जिस दिल विच न मुहब्बत होवे।

ओ सजणा तैनूं इक गल्ल पुछां,
जे तूं मेरे वल्ल दा हू,
ओस थां ते की रैहणा जित्थे तू नहीं हू।

असां लभ्भ बहाना लेया

असां लभ्भ बहाना लेया,
माही दे कोल जाण वाला।

दिल आखदा ए माही कोल जाके,
दिल वाला दुखड़ा आवां मैं सुणा के,
केहड़ी गल्लों मुख मोड़ लेया,
माही वे मेरे हाण देया।

आवेगा माही गल्ल करांगी जरूर मैं,
होया की कसूर पुछ लवांगी जरूर मैं,
सानूं साडा कसूर दस्स जा,
वे केहड़ी गल्लों मुख मोड़ेया।

दर्द साडे दिल दा कोई न जाणे,
जिहनूं होवे प्यार ओहो दर्द पछाणे,
बेदर्दी हुण आ वी जा,
वे केहड़ी गल्लों दिल तोड़ेया।

मिल जाये रब्ब जे माही दे बहाने,
उसनूं वी आखां असीं तेरे नहीं दीवाने,
'दर्शन' माही तूं बण के आ,
रब्बा वे मेरे प्यार दे पिछे।

वो आये थे वो आयेंगे

वो आये थे वो आयेंगे,
कोई हमको बता कर चला गया,
कासिद उनका आया तो था,
बिन खत दिए चला गया।

कुछ न कहा उसने हमसे,
हमने भी कुछ पूछा न था,
एक दिन मिले थे उसी मोड़ पर,
अकेले थे वो न कोई और था।

तुमसे भला मेरा रकीब थोड़ा सा दूर था,
कातिल निगाहें जाने बला,
उनका कसूर था या मेरा था।

उनकी रूसवाइयों का किस्सा,
सारे जहां में मशहूर था।
उनका न आना कर देता था,
कभी कभी खफा जरूर था।

उनसे मिलना दिल का धड़कना,
कर देता मजबूर था,
'दर्शन' सबब मिल गया पज्ज,
मेरा खुदा मेरा महबूब था।

जा रे जा रे उड जा

जा रे जा रे उड जा कालेया कावां,
रुस्स गया माही दस्स किवें मैं मनावां।

सगनां दे नाल जीनूं हत्थी असां तोरेया,
ओहनां बेदर्दां सानूं मिट्टी विच रोलेया,
टुटे होये दिल नाल वास्ते मैं पावां।

ओहनां सजणा ने कदे वाट साडी लई नहीं,
खुशी साडी ज़िंदगी 'च हुण कोई रही नहीं,
हौकेयां दे नाल दिन रात मैं लंघावां।

लिख लिख चिट्ठीयां असां कई पाड़ीयां,
मर जाणगीयां रीझां साडीयां कवारीयां,
दस्स तेरे बाझों मैं कीहनूं कासिद बनावां।

जाके बनेरे उत्ते बोलीं मिट्ठे बोल वे,
क्यों भुल गये ने साडे नाल कीते कौल वे,
'दर्शन' जुदाई 'च मरदी मैं जावां।

प्यार अखीयां दे झरोखे च

प्यार अखीयां दे झरोखे 'च खलो के,
ए सजणा नूं वाजां मारदा।

जिदां छड ख्याल कर कुझ सोच सोहणेया,
असीं वी तां केहड़े बहुते दिनां दे परौंणे आं,
आजा खेड लईये खेडण दे दिन चार।

असां प्रीत पा लई तेरे दुखां अते पीड़ा नाल,
दुनियां नूं की कहणा असीं मरे तकदीरां नाल,
रोग लगा तेरा मैनूं दुखी हो गई मेरी जान,
जा वे बेकदरा तैनूं प्यार दी नहीं पहचान।

प्यार वाले जाणदे ने लगीयां निभाणीयां,
शर्तां नहीं रखी दीयां प्यार दे हाणीयां,
दिल गहणे रख लै समझ मेरीयां निशानीयां,
कज़ा ने वी शायद साडीयां कदरां नहीं पाणीयां,
मैं बुलबुला वांग पाणीयां वे तूं हुण आजा जानीयां।

गुस्से गिले छड के सांझां लईये पा वे,
हुण दम मेरे दा कोई नहीं विसाह वे,
असां वी ते तुर जाणा फिर आ तूं भावें न आ।

याद आवे मैनूं जदों तेरे सितम वे,
रब्ब तैनूं मंनेया मैनूं प्यार दी कसम वे,
मैं वी ते प्यार कीता नहींयों कीता माड़ा कंम।

हीरेया वे हार गईयां अखीयां ने रो के,
कुंडा लवां मार नाले बूहा लवां ढो वे,
जेहड़ी गल्ल कल होणी ए ओह
अज जावे सजणा हो।

दीदां दी भुखी मैं माण पावण आई हां,
'दर्शन' प्यासी ते प्यार तिरहाई हां,
मैं तां नहीं सी जाणदी सजणा तेरीयां बेपरवाईयां।

गुड्डीयां पटोले भुल्ल गये खेडणे,
पै गये रोणे गल्ल आके देख वे,
आजा इक मिक हो जाईये,
'दर्शन' जापीए ना हुण दो।

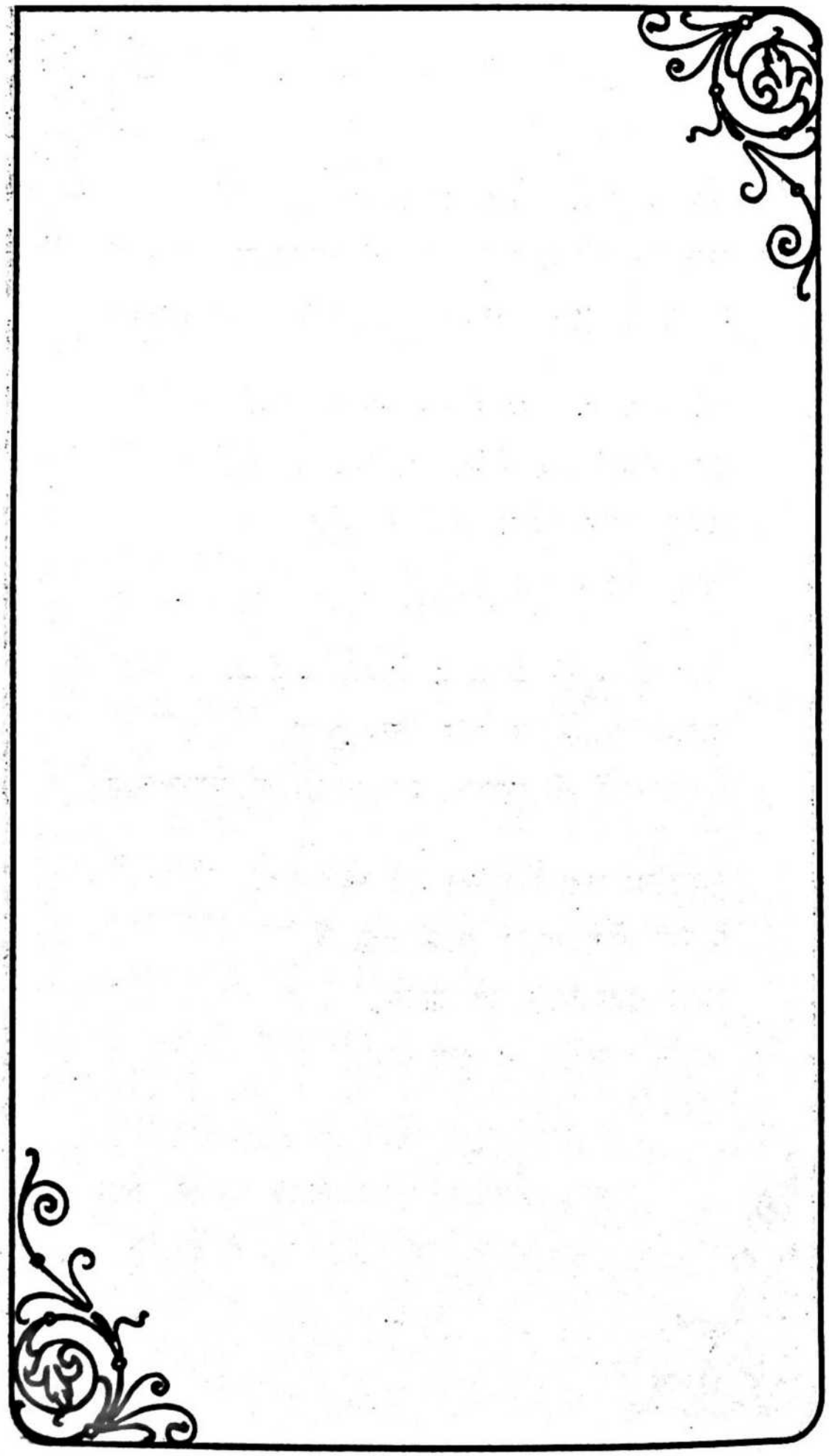

शायर पढ़णगे मेरा कलाम,
मुंह विच ऊंगलां पा होणगे हैरान,
'दर्शन' लिख की कमाल गया,
विच शायरी अपणी दे,
हर दिल दीवाना हो गया,
लोको वे मेरे शहर दे विच।

'महाराज दर्शन दास जी'